TV उत्तरशक्ति NEWS

मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 7 अंक 265
बुधवार, 16 अप्रैल 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, जिस हॉस्पिटल से बच्चा चोरी हो, उसका लाइसेंस रद्द करो, जारी की गाइडलाइंस

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट ने चाइल्ड ट्रैफिकिंग के मामलों पर एक बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि जिस अस्पताल से बच्चा चुराया जाता है उसका लाइसेंस रद्द कर देना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि इस फैसले का सख्ती से पालन किया जाए। बता दें कि वाराणसी और आसपास के अस्पतालों से बच्चों की चोरी के मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने 2024 में आरोपियों को जमानत दे दी थी, अब सुप्रीम कोर्ट ने इस जमानत को रद्द कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह एक देशव्यापी गिरोह था और इनके चुराए हुए बच्चे पश्चिम बंगाल, झारखंड और राजस्थान तक से मिले हैं। कोर्ट ने आरोपियों को समाज के लिए खतरा बताया है। इसी के साथ कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को भी इस मामले में देरी करने के लिए फटकार लगाई है। राज्य सरकारों के लिए जारी की गाइडलाइंस- सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्य सरकारों से कहा है कि वे बच्चा तस्करी रोकने के लिए जरूरी कदम उठाएं। कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर किसी अस्पताल से बच्चा चोरी होता है, तो सरकार को तुरंत उस अस्पताल का लाइसेंस रद्द कर देना चाहिए।

माता-पिता रहें सावधान- सुप्रीम कोर्ट ने सभी माता-पिता को सलाह दी है कि वे अस्पताल में अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर सतर्क रहें। बच्चा खरीदना भी अपराध- कोर्ट ने यह भी साफ किया कि अगर कोई निसंतान दंपत्ति चोरी किए हुए बच्चे को खरीदते हैं, तो यह भी अपराध है। कोर्ट ने ऐसे लोगों की भी जमानत रद्द कर दी है।

पीएम मोदी ने बंगाली नव वर्ष की लोगों को दी बधाई

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। पोहेला बोइशाख, या पोइला बोइशाख - बड़े पैमाने पर पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश में मनाया जाता है, जो बंगाली कैलेंडर में पहला महीना है, यही कारण है कि इसे बंगाली नव वर्ष के रूप में भी जाना जाता है। वहां के लोग खुशी और आनंद का त्योहार धूमधाम से मनाते हैं। इस दिन लोग शुभो नोबो बोरशो कहकर शुभकामनाओं का आदान-प्रदान करते हैं, जहाँ शुभो का अर्थ है खुशी, नोबो का अर्थ है नया और बरशो का अर्थ है साल।

एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा, ''पोइला बोइशाख पर शुभकामनाएं!'' पीएम मोदी ने कहा मुझे आशा है कि इस वर्ष आपकी सभी इच्छाएँ पूरी होंगी। मैं सभी की सफलता, सुख, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करता हूं। शुभो नबो बरशो !'पोइला बोइशाख' दुनिया भर के बंगालियों द्वारा मनाया जाता है, भले ही भौगोलिक स्थिति कुछ भी हो, लेकिन इस अवसर का बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और असम सहित भारत के बंगाली भाषी क्षेत्रों में बंगालियों के लिए विशेष महत्व है। पोइला बोइशाख नवीनीकरण, खुशी और सांस्कृतिक गौरव का दिन है। यह धार्मिक या क्षेत्रीय मतभेदों की परवाह किए बिना समुदायों को एक साथ लाता है और बंगाली लोगों की साझा विरासत का जश्न मनाता है।पोइला शब्द का अर्थ है पहला और बोइशाख बंगाली कैलेंडर में पहले महीने का नाम है - इसलिए, पोइला बोइशाख का शाब्दिक अर्थ है बोइशाख का पहला। पश्चिम बंगाल में, यह कला, संगीत, भोजन और व्यावसायिक परंपराओं के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है। पोइला बोइशाख बंगाली कैलेंडर वर्ष की शुरूआत का प्रतीक है और इसे भारत और विदेशों के विभिन्न हिस्सों में बंगाली समुदाय द्वारा मनाया जाता है।

'पोलिया' शब्द का अर्थ है पहला, और 'बोइशाख' चंद्र-सौर बंगाली कैलेंडर का पहला महीना है। आज, समुदाय वर्ष 1432 की शुरूआत का जश्न मनाता है। बंगाली सकब्दी के अनुसार, वर्ष का पहला दिन सबसे शुभ माना जाता है।

अयोध्या में राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी, जांच में जुटीं एजेंसियां

अयोध्या, 15 अप्रैल। अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण की देखरेख कर रहे श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली, जिसके बाद सुरक्षा अलर्ट जारी कर दिया गया। अधिकारियों ने एक एफआईआर दर्ज की है और गुमनाम धमकी के मामले की जांच शुरू कर दी है, जिससे मंदिर परिसर और उसके कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर चिंताएँ बढ़ गई हैं। इसको लेकर मंदिर और उसके आसपास के इलाकों में सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए गए हैं। जानकारी के अनुसार अयोध्या के साथ-साथ बाराबंकी चंदौली समेत कई अन्य जिलों के जिलाधिकारियों को भी धमकी भरा मेल आया है। इन सभी ई-मेल्स की साइबर सेल जांच कर रही है। इससे पहले अयोध्या स्थित श्री राम जन्मभूमि मंदिर में सुबह कलश पूजन किया गया और मंदिर के मुख्य शीर्ष पर कलश स्थापित किया गया। निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने संकेत दिया कि राम मंदिर का निर्माण छह महीने में और करीब चार किलोमीटर की सुरक्षा दीवार बनाने का काम 18 महीने में पूरा होने की उम्मीद है।

उन्होंने बताया कि इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड राम मंदिर के लिए सुरक्षा दीवार का निर्माण करेगी। दीवार की ऊंचाई, मोटाई, डिजाइन आदि के संबंध में निर्णय ले लिया गया है और मिट्टी की जांच के बाद निर्माण शुरू होगा। मिश्रा ने बताया कि यात्री सुविधा केंद्र का निर्माण राम मंदिर परिसर के भीतर 10 एकड़ में किया जाएगा और वहां भंडारण के लिए 62 काउंटर होंगे। उन्होंने बताया कि सप्त मंडल मंदिरों की सभी प्रतिमाएं रविवार को अयोध्या पहुंच गईं। इनमें से प्रत्येक को उनके स्थानों पर पहुंचा दिया गया है। ये प्रतिमाएं जयपुर से लाई गई हैं।

मोदी जी के नेतृत्व में सहकारिता के क्षेत्र में तेजी से हुई है प्रगतिः अमित शाह

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री तथा भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने हाल ही में भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय सहकारिता सम्मेलन में स्पष्ट संकेत दिया कि मध्य प्रदेश में कृषि, पशुपालन और सहकारिता तीनों क्षेत्रों में बहुत संभावनाएँ हैं। सहकारिता के योद्धा शाह ने यह संदेश दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सहकारिता के क्षेत्र में तेजी से प्रगति हुई है।

इस मौके पर एनडीडीबी और एमपीसीडीएफ ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया, जिससे दुग्ध उत्पादन में बढ़ोतरी आएगी। लंबे समय से सहकारिता से जुड़े शाह ने किसानों को आश्वस्त किया कि सहकारी दुग्ध समितियों से प्रोसेसिंग क्षमता में बढ़ोतरी होगी और किसान समृद्ध होंगे।

पैक्स को पुनर्जीवित करने, डेयरी क्षेत्र को बढ़ावा देने, उत्पादन के क्षेत्र में सहयोग, शहरी सहकारी बैंकों, जिला सहकारी बैंकों और ग्रामीण बैंकों के सुचारू प्रबंधन के लिए अथक प्रयास किए जा रहे हैं। पहले पैक्स केवल अल्पावधि कृषि ऋण उपलब्ध कराते थे, लेकिन आज पैक्स 20 से अधिक प्रकार की सेवाएँ उपलब्ध करा रहे हैं, जिससे पैक्स की आय में भी वृद्धि भी हो रही है। कंप्यूटरीकृत पैक्स भारत की 13 भाषाओं में काम कर रही हैं। गरीब और किसान कल्याण की दिशा में युद्धस्तर पर काम करने वाले शाह के मार्गदर्शन में 3 नई सहकारी समितियों सहित सहकारिता क्षेत्र में प्रशिक्षण के लिए त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय की स्थापना भी की गई है।

भारत में सहकारिता आंदोलन लगभग 115 साल पुराना है और इस आंदोलन ने देश को अमूल, कृभको, और इफ्को जैसे महत्त्वपूर्ण प्रतिष्ठान दिए हैं, जो आज लाखों लोगों को रोजगार दे रहे हैं। आजाद भारत में पूर्व की किसी भी सरकार ने सहकारिता क्षेत्र पर ध्यान नहीं दिया और न ही देश की संसद में राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर इस मामले में चर्चा की गई। 75 वर्षों में सहकारी समितियों और सहकारिता आंदोलन को जर्जर बनाने की पूरी कोशिश की गई। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री के कुशल मार्गदर्शन में देश भर में सहकारिता आंदोलन के नए युग की शुरूआत करने की मुहिम पर तेजी से काम चल रहा है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ सहकारिता आंदोलन को मजबूत आधार देने के लिए मोदी जी ने अलग से सहकारिता मंत्रालय का गठन किया और उसकी कमान सहकारिता के योद्धा अमित शाह के हाथों में सौंप दी। आज मोदी जी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में सहकारिता आंदोलन जीवंत हो चुका है। सहकारिता मंत्री बनने के बाद शाह ने अपनी रणनीतियों के माध्यम से सहकारिता क्षेत्र में आमूल-चूल परिवर्तन करने का काम किया है। मोदी जी की अगुआई और अमित शाह की नीतियों के तहत सहकारिता मंत्रालय ह्यसहकार से समृद्धिह्ण के विजन को साकार करने और करोड़ों किसानों को समृद्ध बनाने के प्रति कटिबद्ध है।

दिल्ली में कांग्रेस और राजद की बड़ी बैठक

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। दिल्ली में बिहार चुनाव से पहले राजद और कांग्रेस के बीच बड़ी बैठक हुई। राजद नेता तेजस्वी यादव और मनोज झा ने लोकसभा नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की। बैठक के बाद तेजस्वी यादव ने कहा कि हमने बैठक की और सकारात्मक चर्चा हुई। हम 17 अप्रैल को पटना में फिर मिलेंगे। हम पूरी तरह तैयार हैं और हम बिहार को आगे ले जाना चाहते हैं। राज्य में एनडीए सरकार के 20 साल बाद भी बिहार सबसे गरीब राज्य है।

पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हम चर्चा करेंगे और सर्वसम्मति से सीएम का चेहरा तय करेंगे। 'नीतीश जी तो हाईजैक हो चुके हैं'। एनडीए इस बार बिहार में सरकार नहीं बना रहा है। 20 अप्रैल को कांग्रेस अध्यक्ष बिहार के बक्सर में मतदाताओं को लुभाने के लिए एक जनसभा करेंगे। उम्मीद है कि कांग्रेस अध्यक्ष के साथ मंच पर राजद के नेता भी होंगे, ताकि भारतीय जनता पार्टी की एकता और ताकत का प्रदर्शन किया जा सके। इस बार, कांग्रेस ने युवा नेता कन्हैया कुमार को जिम्मेदारी दी है, जो अपनी 'नौकरी दो' रैली के जरिए पलायन और बेरोजगारी के मुद्दे को उठाते रहे हैं।

कांग्रेस कार्यकताओं में आत्मविश्वास जगाने के लिए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी रैली में हिस्सा लिया था। इससे पहले 30 मार्च को बिहार में पार्टी के लिए चुनावी बिगुल बजाते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव पर 1990-2005 के बीच जंगल राज और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था। 30 मार्च को अपनी बैठक के बाद से शाह चुनाव की तैयारी के लिए महीने में दो दिन बिहार में बिताने जा रहे हैं। राज्य में चुनाव अक्टूबर-नवंबर के बीच होने की उम्मीद है, हालांकि अभी तक चुनाव की तारीखों की घोषणा नहीं की गई है।

कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया को बड़ा झटका

कर्नाटक। जन प्रतिनिधियों के लिए विशेष अदालत ने लोकायुक्त पुलिस को मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले में अपनी जांच जारी रखने का आदेश दिया। अदालत ने लोकायुक्त पुलिस द्वारा प्रस्तुत 'बी रिपोर्ट' पर अपना निर्णय स्थगित कर दिया, जिसमें सिद्धारमैया को किसी भी गलत काम से मुक्त कर दिया गया था। इसने पुलिस को निर्देश दिया कि कोई भी निर्णय लेने से पहले एक व्यापक अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। बी रिपोर्ट को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने चुनौती दी थी, जिन्होंने क्लीन चिट पर सवाल उठाए और अदालत से इसे खारिज करने का आग्रह किया। अदालत ने सोमवार के लिए अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था, लेकिन जांच अभी भी अधूरी होने के कारण मामले की सुनवाई अब 7 मई तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

अराजकता में डूबे बंगाल में नाउम्मीदी का अंधेरा

-ललित गर्ग

बंगाल में वक्फ कानून को लेकर हिंसा का सिलसिला जिस तरह तेज और सांप्रदायिक होता जा रहा है, जिस तरह से हिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा है, उन्हें मुर्शिदाबाद से पलायन को विवश किया जा रहा है, वह मुस्लिम तुष्टिकरण और दुष्प्रचार की खतरनाक राजनीति का प्रतिफल तो है ही, वह कुशासन एवं अराजकता की भी चरम पराकाष्ठा भी है। नए वक्फ कानून को लेकर कुछ राजनीतिक दल मुस्लिम समाज को विशेषतः किशोर बच्चों को हिंसा एवं तोड़फोड़ के लिये जानबूझकर सड़कों पर उतारने में लगे हुए हैं। वे उन्हें अराजकता एवं उन्माद के लिये उकसा भी रहे हैं और तरह-तरह से प्रोत्साहन दे रहे हैं। अराजकता फैलाने वाले किस तरह बेखौफ हैं, इसकी पुष्टि इससे होती है कि वे सरकारी-गैरसरकारी वाहनों को तोड़ने, जलाने के साथ पुलिस पर भी हमले कर रहे हैं। बंगाल के विभिन्न जिलों में वक्फ कानून के विरोध के बहाने फैलाई जा रही अराजकता इसलिए भी थमने का नाम नहीं ले रही है, क्योंकि खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस कानून के खिलाफ खड़ी होकर राजनीतिक रोटियां सेंकने का काम कर रही हैं। पश्चिम बंगाल में हिंसा का बढ़ना, हिन्दुओं में डर पैदा होना, भय का वातावरण बनना, आम जनजीवन का अनहोनी होने की आशंकाओं से घिरा होना चिंताजनक भी है और राष्ट्रीय शर्म का विषय भी है।

यह बंगाल पुलिस के नाकारापन एवं ममता सरकार के मुस्लिम तुष्टिकरण का ही दुष्परिणाम है कि मुर्शिदाबाद के साथ ही अन्य शहरों में भी वक्फ कानून के विरोध की आड़ में हिंसा, तोड़फोड़, आगजनी हो रही है। खतरनाक यह है कि इस दौरान हिंदुओं को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने वक्फ कानून विरोधियों की अराजकता से उपजे हालात का संज्ञान लिया। मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गया है। इससे शर्मनाक एवं दर्दनाक और कुछ नहीं हो सकता कि मुर्शिदाबाद में 11 अप्रैल को हुई हिंसा के बाद करीब 500 हिंदू पलायन कर चुके हैं। हिंदू परिवारों का आरोप है कि हिंसा के दौरान उनको चुन-चुनकर निशाना बनाया गया। उनके पीने के पानी में जहर तक मिला दिया गया है। इस हिंसा की जांच एजेंसियों ने पोल खोल दी है, यह हिंसा पूरी प्लानिंग के तहत की गई थी, जिसमें तुर्की से फंडिंग और स्थानीय मदरसों की मिलीभगत सामने आई है। हमलावरों को ट्रेनिंग दी गई और इनाम की व्यवस्था भी की गई थी। ममता बनर्जी एवं उनकी सरकार देश में एकमात्र ऐसी सत्तारुढ़ पार्टी एवं नेता बन गई है जिसका देश के संविधान, न्यायपालिका एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भरोसा नहीं रह गया है।

वक्फ कानून का विरोध करने सड़क पर उतरे तत्वों के दुस्साहस का पता इससे चलता है कि वे सीमा सुरक्षा बल के जवानों को भी निशाना बनाने से नहीं हिचक रहे हैं। उनके इसी दुस्साहस के चलते मुर्शिदाबाद के हिंदुओं ने खुद को असहाय पाया। बंगाल में कानून के शासन ने सुनियोजित हिंसा के दुष्चक्र के समक्ष एक बार फिर समर्पण कर दिया। बंगाल में इससे पहले भी ऐसा हो चुका है। मई 2021 में विधानसभा चुनावों के बाद वहां तृणमूल समर्थक तत्वों ने अपने राजनीतिक विरोधियों को इतना आतंकित किया था कि वे जान बचाने के लिए असम में शरण लेने को मजबूर हुए थे। तब भी वहां पुलिस मूकदर्शक बनी हुई थी। ताजा हिंसक हालातों में राज्य सरकार और उसके नेता यह झूठ देश के गले में उतारने में लगे हुए हैं कि बंगाल में स्थितियां नियंत्रण में हैं। यह कैसा नियंत्रण है? यह कैसी शासन-व्यवस्था है? यह कैसा दोगलापन है? जिसमें एक समुदाय खुलेआम दूसरे समुदाय को निशाना बना रहा है। खुलेआम सार्वजनिक मंचों पर राष्ट्र-विरोधी विचारों का जहर घोला जा रहा है। वक्फ कानून में संशोधन का विरोध विडम्बनापूर्ण होने के साथ देश में अराजकता फैलाने का माध्यम बना हुआ है। वक्फ कानून में संशोधन के तहत किसी मस्जिद, मदरसे आदि को लेकर किसी भी तरह के नुकसान, कब्जा करने या दखल की बात नहीं कही गयी है। इसके विरोधी चाहे जो तर्क दें, इससे कोई इंकार नहीं कर सकता कि वक्फ बोर्ड भ्रष्टाचार का अड्डा बने हुए थे और सरकारी-निजी जमीनों पर मनमाने तरीके से दावा कर दिया करते थे। उनकी इस मनमानी का शिकार अनेक मुस्लिम भी थे। क्या वक्फ कानून के विरोधी यह बताने की स्थिति में हैं कि वक्फ बोर्डों ने अभी तक कितने गरीब मुसलमानों की सहायता की? यह पहली बार नहीं है, जब किसी कानून के खिलाफ सड़कों पर उतरकर उपद्रव, हिंसा, आगजनी की जा रही हो। इसके पहले नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ भी ऐसा ही किया गया था। तब यह झूठ फैलाया जा रहा था कि इस कानून के जरिये मुसलमानों की नागरिकता छीन ली जाएगी। अब यह झूठ फैलाया जा रहा है कि नए वक्फ कानून के जरिये सरकार मस्जिदों और कब्रिस्तानों पर कब्जा करना चाहती है। यह निरा झूठ और शरारत ही है। वक्फ कानून के विरोधी भले ही लोकतंत्र और संविधान की दुहाई दे रहे हों, लेकिन वे उसकी धज्जियां ही उड़ा रहे हैं। वे वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले की प्रतीक्षा करने के लिए तैयार नहीं।

मुर्शिदाबाद हिंसा के जरिए पूरे बंगाल में हिंसा फैलाने का प्लान तुर्की में बनाया गया था, इसके जरिए बंगाल के हालात भी ठीक बांग्लादेश की तरह करने की कोशिश थी। हिंसा को लेकर बाकायदा एक लिस्ट तैयार की गई थी कि कौन कहां नुकसान करेगा और लूटपाट मचाएगा। इसके साथ ही इनाम देने को लेकर योजनाएं बनाई गयी थी। हिंसा के दौरान इस बात का खास ध्यान देने का अलर्ट किया गया कि रेल और नॉर्मल ट्रांसपोर्ट न चल पाए। मौका मिलने पर हिंदुओं की हत्या करना भी टारगेट था। कुछ हिंदुओं को मारा भी गया है। हिंदुओं के घरों के साथ मंदिरों पर हमले किए गए, घर जलाए गए, आजीविका नष्ट की गई, बलात्कार की धमकियां दी गयी, उससे यही स्पष्ट हो रहा है कि नए वक्फ कानून का विरोध करने वाले न केवल सांप्रदायिक घृणा में डूबे हैं, अराजकता एवं उन्माद पर सवार हैं, आतंकी माहौल बनाकर हिन्दुओं को भयभीत-आतंकित करना चाहते है। क्योंकि उन्हें यह भरोसा है कि ममता बनर्जी की सरकार और उनकी पुलिस उनके खिलाफ कुछ नहीं करने वाली। ज्यादा चिन्ताजनक तो यह है कि अराजक लोग चाहते हैं पलायन करने के लिए मजबूर लोग फिर कभी अपने घरों को न लौट पाएं। इन जटिल एवं अनियंत्रित होते अराजक हालातों में शांति, सौहार्द एवं सामान्य हालातों को निर्मित करने के लिये आवश्यक है कि केंद्र सरकार बंगाल में हस्तक्षेप करने के लिए आगे आए, बल्कि यह भी अपेक्षित है कि सुप्रीम कोर्ट वहां के हालात का स्वतः संज्ञान ले। उसे वक्फ कानून विरोधी हिंसक तत्वों के उपद्रव के लिए ममता सरकार को जवाबदेह बनाना ही होगा। ममता वोट बैंक की राजनीति के लिये कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था की धज्जियां बार-बार उड़ाती रही है। ममता ने देश की एकता-अखंडता और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को नजरअंदाज किया है, कानून से खिलवाड़ किया है जितना पश्चिमी बंगाल में हुआ है उतना शायद ही देश के किसी दूसरे राज्यों में हुआ हो। ममता अपने बलबूते चुनाव जीतने का माद्दा रखती है तो फिर हिंसा का सहारा क्यों लेती है? अराजकता फैलाकर अपने ही शासन को क्यों दागदार बनाती है? क्यों अपने प्रांत की जनता को डराती है, भयभीत करती है? क्या ये प्रश्न ममता की राजनीतिक छवि पर दाग नहीं है? ममता एवं तृणमूल कांग्रेस का एकतरफा रवैया हमेशा से समाज को दो वर्गों में बांटता रहा है एवं सामाजिक असंतुलन तथा रोष का कारण रहा है। ताजा हिंसक हालात इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि किसी भी एक वर्ग की अनदेखी कर कोई भी दल राजसत्ता का आनंद नहीं उठा सकता। राज्य में शीर्ष संवैधानिक पद पर रहते हुए भी ममता बनर्जी ने अलोकतांत्रिक, गैर-कानूनी एवं राष्ट्र-विरोधी कार्यों को अंजाम दिया है। बंगाल में तो भ्रष्टाचार और साम्प्रदायिकता के जबड़े फैलाए, हिंसा की जीभ निकाले, मगरमच्छ सब कुछ निगल रहा है। ममता अपनी जातियों, ग्रुपों और वोट बैंक को मजबूत कर रही हैं-- देश को नहीं।

24 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे के ऐलान से बड़ी चुनावी सरगर्मी

अशोक भाटिया

बिहार विधानसभा चुनाव में अब लगभग छह महीने ही बचे हैं, ऐसे में सभी राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं।भाजपा और कांग्रेस के कई बड़े नेता लगातार बिहार के दौरे कर रहे हैं। बिहार में कांग्रेस की सबसे पुरानी सहयोगी पार्टी आरजेडी भी जो इंडिया ब्लॉक का हिस्सा है। आरजेडी-कांग्रेस की बैठक खड़गे के आवास पर हो रही है । राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिल रहे है , जिसमें आगामी बिहार चुनावों के लिए सीट बंटवारे और दोनों दलों के बीच गठबंधन पर चर्चा हो रही है । आरजेडी सांसद मनोज झा ने कहा कि बैठक में बिहार के संपूर्ण संदर्भ पर चर्चा की जाएगी। झा ने कहा कि यह बैठक बिहार के संपूर्ण संदर्भ को ध्यान में रखते हुए निर्धारित की गई है, और चूंकि चुनाव अब कुछ ही महीने दूर हैं, इसलिए इस पर चर्चा की जा रही है । 20 अप्रैल को कांग्रेस अध्यक्ष बिहार के बक्सर जिले में एक जनसभा को भी संबोधित कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने बिहार में पलायन का मुद्दा उठाया है। उन्होंने 'नौकरी दो' रैली निकालकर राज्य सरकार से पलायन रोकने और युवाओं के लिए रोजगार सृजन की सुविधा देने का आग्रह किया। 7 अप्रैल को बेगूसराय में राहुल गांधी भी कुमार के साथ यात्रा में शामिल हुए थे ।

इन सबसे बड़ीं इवेंट है 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बिहार का दौरा । वे मधुबनी के भौड़ागढ़ी स्थित एयरपोर्ट पर नए टर्मिनल का शिलान्यास करेंगे। इसके साथ ही कई बड़ी योजनाओं की घोषणा करेंगे। लगभग 2 महीने के अंदर प्रधानमंत्री मोदी का ये दूसरा बिहार दौरा है, जिसके कई मायने निकाले जा रहे हैं।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने दावा किया है कि कार्यक्रम में लगभग पांच लाख लोग जुटेंगे। कार्यक्रम में मधुबनी ही नहीं बल्कि सुपौल, सीतामढ़ी,सहरसा, मधेपुरा, समस्तीपुर, शिवहर, दरभंगा, अररिया और मुजफ्फरपुर के कार्यकर्ता और नेता भी पहुंचेंगे। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी 10 जिलो के पंचायत प्रतिनिधियों को भी संबोधित करेंगे।

इस बड़े कार्यक्रम के जरिए प्रधानमंत्री मोदी भाजपा नेताओं कार्यकताओं में जीत का मंत्र फूंकने का काम करेंगे, कि किस तरह उन्हें अभी से चुनावी की तैयारियों में जुटना है शहर-शहर, गांव-गांव जाकर एनडीए के पक्ष में माहौल बनाना है ।एक तरफ जहां भाजपा नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ने की बात कह रही है। वहीं दूसरी ओर खुद भी मजबूती से बिहार में सियासी बिसात बिछा रही है। भाजपा बिहार में अपने लिए एक मजबूत पीच तैयार कर रही है ताकि भविष्य में कभी उसे अकेले भी चुनाव लड़ना पड़े तो वो इसके लिए तैयार रहे।

याद हो कि अमित शाह ने अपने बिहार के दौरे में एक बात तो स्पष्ट कर दी कि चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। पर यह बात कि चुनाव जीतने के बाद सीएम भी उन्हें ही बनाया जाएगा इस पर प्रकाश नहीं डाला। हालांकि पटना के बापू सभागार में सहकारिता विभाग के एक कार्यक्रम मे गृहमंत्री ने कहा कि 2025 में बिहार में मोदी जी और नीतीश जी के नेतृत्व में बिहार में एक बार फिर से एनडीए की सरकार बनाइये और भारत सरकार को बिहार के विकास का एक और मौका दीजिए। शाह ने यह भी कहा था कि बिहार को बदलने में नीतीश कुमार की अहम भूमिका रही है। शाह की इन बातों की सीधा अर्थ है कि नीतीश को किनारे लगाने के बारे में नहीं सोचा जा रहा है। दूसरे शब्दों में नीतीश के नाम पर कोई विवाद नहीं है। पर मोदी जी और नीतीश जी दोनों का नाम लेने और दूसरे खुलकर यह न कहने कि चुनाव जीतने पर नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनेगी, लोगों में संदेह बरकरार रह गया। हालांकि मोदी का नाम प्रधानमंत्री होने के नाते लेने का कोई दूसरा अर्थ नहीं लगाना चाहिए। पर राजनीति संभावनाओं का खेल है इसलिए हर बात के कई अर्थ निकाले जाते हैं। वैसे बिहार प्रभारी विनोद तावड़े, बिहार के दो उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और पार्टी विधायकों और सांसदों की बैठक में अमित शाह ने घोषणा की कि चुनाव काल में नीतीश कुमार एनडीए के कप्तान होंगे। जनता दल (यूनाइटेड) के प्रमुख नीतीश कुमार पिछले 20 सालों से राज्य के मुख्यमंत्री हैं और भाजपा और लोक जनशक्ति पार्टी चुनाव से पहले उनका 100 फीसदी समर्थन करना मजबूरी रही हैं। भाजपा को बिहार की राजनीति में फिर से नीतीश कुमार का चेहरा आगे करना होगा। राज्य में हुए 2020 के विधानसभा चुनावों में, भाजपा ने वास्तव में जीत हासिल की थी। भाजपा ने 243 सदस्यीय विधानसभा में 110 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 74 विधायक चुने थे। जनता दल (यूनाइटेड) ने 115 सीटों पर चुनाव लड़ा और केवल 43 विधायक जीते। महाराष्ट्र की तरह भाजपा पटना में भी मुख्यमंत्री पद के लिए दावा कर सकती थी, लेकिन भाजपा ने उदारता से नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद दे दिया, जिनके पास कम विधायक हैं। इस घटना को पांच साल हो चुके हैं। विधानसभा चुनाव के बाद पहले से ही इस बात को लेकर तर्क दिए जा रहे हैं कि नीतीश कुमार को महाराष्ट्र की तरह एकनाथ शिंदे जैसी भूमिका निभानी होगी या नहीं।

जिस तरह महाराष्ट्र में भाजपा ने पूरे चुनाव के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को नेता बनाए रखा कुछ लगता है उसी तर्ज पर बिहार में चुनाव लड़ने के मूड में है पार्टी। आपको याद होगा महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के प्रचार के दौरान एक बार एक स्टेज पर देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे एक साथ बैठे हुए थे। पत्रकारों ने फडणवीस से पूछा कि चुनाव परिणाम आने के बाद मुख्यमंत्री कौन बनेगा। तो फडणवीस ने एकनाथ शिंदे की ओर इशारा कर-के कहा था हमारे मुख्यमंत्री तो यहीं हैं। पर परिणाम आने के बाद ऐसा हुआ नहीं । एकनाथ शिंदे अपना रोना लेकर रोते रहे पर पार्टी को कोई असर नहीं पड़ा। अंत में एकनाथ शिंदे डिप्टी मुख्यमंत्री बनने को तैयार हो गए। आज की तारीख में भाजपा बिहार में शायद इसी रणनीति पर काम कर रही है। चुनाव परिणाम आने के बाद नीतीश कुमार डिप्टी मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे , पर हो सकता है कि नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार को डिप्टी मुख्यमंत्री बनाया जाए। पार्टी चाहती है कि चुनाव में सभी लोग एकजुट होकर मेहनत करें।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि नीतीश की बढ़ती उम्र और उनकी तबीयत की चिंता को भाजपा समझ रही है। भाजपा ये मान कर भी चलती है कि नीतीश की इस स्थिति का फायदा विपक्ष हर हाल में उठाना चाहेगा। ऐसी स्थिति में भाजपा अगर खुलकर नीतीश कुमार को नेता मान लेती है तो इसमें पार्टी का कई तरह से नुकसान हो सकता है। नीतीश के मुख्यमंत्री कैंडिडेट घोषित करते ही भाजपा के समर्थक और कार्यकर्ता निष्क्रिय हो सकते हैं। ऐसी दशा में वे ढीले पड़ सकते हैं। ऐसी स्थिति में जो नीतीश के नेतृत्व से नाराज भाजपा के वोटर हैं वो सीधे-सीधे प्रशांत किशोर की ओर मूव कर सकते हैं। हालांकि भाजपा के लिए यह भी फायदेमंद सौदा ही है। भाजपा ये चाहती है कि एंटी इंकंबेंसी वाले वोट किसी भी सूरत में पूरे के पूरे आरजेडी की ओर न जाए। दिल्ली में यही रणनीति आम आदमी पार्टी ने अपनाई थी। इसलिए कांग्रेस के साथ आप ने समझौता नहीं किया। वहां भी यही तर्क था आम आदमी पार्टी से नाराज वोटर्स भाजपा की ओर पूरी तरह न जाएं इसके लिए कांग्रेस के रूप जनता के सामने एक और विकल्प होने से पार्टी को फायदा होगा। ठीक उसी तरह भाजपा बिहार में भी सोच रही है। शायद यही कारण है कि प्रशांत किशोर को लेकर भाजपा परेशान नहीं है।

पिछली बार की तरह, वे बिहार चुनावों में पुराने दल ही एक-दूसरे के राजनीतिक दुश्मन हैं। एक तरफ, भाजपा, जेडी (यू), चिराग पासवान की लोक जनशक्ति और जीतन राम मांझी की एचयूएम और दूसरी तरफ, राष्ट्रीय जनता दल, कांग्रेस और महागठबंधन के छोटे दल होंगे। जाति वोट बैंक और सीट बंटवारा दोनों पक्षों के प्रमुख मुद्दे हैं। यह राजद और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे का एक बड़ा परीक्षण है। इन दोनों चुनावों में, बिहार के मतदाताओं ने भाजपा-जनता दल (यू) को एक बड़ा झुकाव दिया। लोकसभा चुनावों में, एनडीए के सांसद 40 में से 30 से अधिक सीटों पर चुने गए। बाद के उपचुनावों में महागठबंधन में मतभेद और दरार भी देखी गई। लालू यादव ने राजीव रंजन उर्फ पप्पू यादव को पूर्णिमा निर्वाचन क्षेत्र की सीट छोड़ने से इनकार कर दिया। जेएनयू छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार लगातार विवादों में फंसे हुए हैं। यह सर्वविदित है कि वे भाजपा विरोधी हैं। वह भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (उढक) की छात्र शाखा, अक्अरत्र से उढक में शामिल हुए, और बेगुलसराय से उढक उम्मीदवार के रूप में 2019 का लोकसभा चुनाव लड़ा लेकिन हार गए। वह 2024 में कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए। कांग्रेस पार्टी ने उन्हें बिहार से मैदान में उतारने का फैसला किया था, लेकिन लालू यादव ने कन्हैया कुमार की उम्मीदवारी का विरोध किया, इसलिए कांग्रेस ने उन्हें उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट से मैदान में उतारा। वहां भी उसे हार का सामना करना पड़ा। कन्हैया कुमार ने हाल ही में संपन्न दिल्ली विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के लिए बड़े पैमाने पर प्रचार किया, लेकिन 70 सदस्यीय विधानसभा में एक भी सीट नहीं जीत सके। अब कांग्रेस पार्टी ने इस नाकाम कन्हैया कुमार को बिहार विधानसभा में सक्रिय करने का फैसला किया है।

कांग्रेस ने बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी की जिम्मेदारी दलित विधायक राजेश कुमार को सौंपी है। महागठबंधन में कोई अन्य नेता नहीं होना चाहिए जो अपने बेटे तेजस्वी यादव को चुनौती दे सके, जो मुख्यमंत्री पद का चेहरा हैं। लालू यादव इस तरह की सावधानी बरतते दिख रहे हैं। बिहार में सवर्ण या सवर्ण मतदाताओं की संख्या नगण्य है। यही कारण है कि दलितों, पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यकों यानी मुस्लिम वोट बैंक में सभी राजनीतिक दलों का बोलबाला है। मुस्लिम मतदाताओं को भाजपा के खिलाफ माना जाता है, फिर भी इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है कि लोकसभा और विधानसभा चुनावों में भाजपा को कुछ मुस्लिम वोट मिले हैं। नीतीश कुमार पिछड़ी जाति से आते हैं। वे दो दशकों से अधिक समय से मुख्यमंत्री हैं लेकिन उन पर भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगाया गया है। भारी विरोध के बावजूद, उन्होंने राज्य में शराब पर प्रतिबंध लगा दिया। उन्हें महिलाओं का भरपूर समर्थन मिला। महिला वोट बैंक मजबूती से नीतीश कुमार के साथ खड़ा है।

काम, सम्मान, पहचान : महिलाओं की त्रिवेणी

-अवनीश कुमार गुप्ता

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण राष्ट्र में महिलाओं की सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में सक्रिय भागीदारी एक ऐसा विषय है। जो न केवल सामाजिक संरचना की गहराई को उजागर करता है, बल्कि आर्थिक प्रगति और सांस्कृतिक परिवर्तन की संभावनाओं को भी तार्किक रूप से विश्लेषित करने का अवसर प्रदान करता है। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां संख्याओं के साथ-साथ सामाजिक मानदंडों, नीतिगत ढांचे और ऐतिहासिक संदर्भों का सूक्ष्म विश्लेषण आवश्यक हो जाता है। यदि हम भारत-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाएं, तो यह स्पष्ट होता है कि महिलाओं की भागीदारी केवल कार्यबल में उनकी उपस्थिति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र की प्रगति के मूल में निहित एक जटिल संरचनात्मक पहलू है। इस संदर्भ में, तार्किकता और गहन विश्लेषण के साथ यह समझना जरूरी है कि महिलाएं इन क्षेत्रों में कितनी प्रभावी हैं, उनकी राह में क्या बाधाएं हैं और इन बाधाओं को दूर करने के लिए नवाचार कैसे उत्प्रेरक बन सकता है।

सबसे पहले, हमें यह समझना होगा कि सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों का स्वरूप भारत में पश्चिमी देशों से भिन्न है। सार्वजनिक क्षेत्र में सरकारी नौकरियां, सार्वजनिक उपक्रम और नीतिगत ढांचे शामिल हैं, जो स्थिरता और सामाजिक सुरक्षा की गारंटी देते हैं। दूसरी ओर, निजी क्षेत्र नवाचार, गतिशीलता और लाभ-केंद्रित दृष्टिकोण का प्रतीक है। इन दोनों क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को मापने के लिए हमें संख्याओं की ओर देखना होगा। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) 2022-23 के अनुसार, भारत में महिला श्रम बल भागीदारी दर लगभग 37 प्रतिशत तक पहुंच गई है। यह आंकड़ा एक सकारात्मक संकेत देता है, लेकिन जब इसे वैश्विक संदर्भ में रखकर देखते हैं, तो यह दक्षिण एशिया में भी औसत से कम है। यह संख्यात्मक वास्तविकता हमें यह सोचने के लिए मजबूर करती है कि क्या यह वृद्धि वास्तव में समावेशी प्रगति का परिचायक है या केवल सतही बदलाव का परिणाम है। तार्किक रूप से विचार करें तो यह स्पष्ट है कि संख्याएं केवल एक प्रारंभिक बिंदु हैं; इनके पीछे की कहानी कहीं अधिक जटिल और गहरी है।

सार्वजनिक क्षेत्र में स्थिति और भी जटिल है। सरकारी नौकरियों में महिलाओं की संख्या बढ़ी है, खासकर शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में, पर यहाँ भी प्रगति की गति धीमी है। ग्रामीण भारत में पंचायती राज व्यवस्था ने महिलाओं को नेतृत्व के अवसर दिए, जहाँ 33% सीटें उनके लिए आरक्षित हैं। यह एक क्रांतिकारी कदम था, पर क्या यह वास्तव में सशक्तिकरण की गारंटी देता है? कई मामलों में देखा गया कि ये महिला सरपंच अपने पति या परिवार के पुरुष सदस्यों के इशारे पर काम करती हैं, जिन्हें ऱसरपंच-पतिऱ की उपाधि से नवाजा जाता है। आरक्षण एक शुरूआत है, पर सच्चा बदलाव तब आएगा जब समाज महिलाओं को सिर्फ कठपुतली नहीं, बल्कि स्वतंत्र निर्णयकर्ता के रूप में देखेगा। क्या यह मजेदार नहीं कि जिस देश में ऱनारी शक्तिऱ की बातें गूँजती हैं, वहाँ शक्ति का असली स्वरूप अभी भी पुरुषों के हाथों में कैद है?

अब एक कदम आगे बढ़ते हैं और आर्थिक दृष्टिकोण से इस मुद्दे को परखते हैं। महिलाओं की भागीदारी न केवल सामाजिक न्याय का सवाल है, बल्कि आर्थिक विकास का भी आधार है। विश्व बैंक का अनुमान है कि यदि भारत में महिलाओं की श्रम बल भागीदारी पुरुषों के बराबर हो जाए, तो जीडीपी में 27% की वृद्धि हो सकती है। यह आंकड़ा कोई छोटा-मोटा सपना नहीं, बल्कि एक ठोस संभावना है जो भारत को वैश्विक मंच पर और मजबूत बना सकता है। पर यहाँ सवाल यह है कि क्या हम इस संभावना को हकीकत में बदलने के लिए तैयार हैं? शिक्षा में लैंगिक असमानता, घरेलू जिम्मेदारियों का बोझ और कार्यस्थल पर भेदभाव जैसे मुद्दे अभी भी बाधा बने हुए हैं। यहाँ नवाचार की जरूरत है–ऐसी नीतियाँ जो न केवल महिलाओं को काम पर लाएँ, बल्कि उन्हें वहाँ टिकने और तरक्की करने का मौका भी दें। मसलन, कार्यस्थल पर बच्चों की देखभाल की सुविधा या लचीले काम के घंटे जैसे कदम छोटे लगते हैं, पर उनके प्रभाव दूरगामी हो सकते हैं।

ग्रामीण और शहरी भारत के बीच का अंतर भी इस चर्चा में एक महत्वपूर्ण पहलू है। जहाँ शहरी क्षेत्रों में महिलाएँ तकनीक और स्टार्टअप्स में अपनी पहचान बना रही हैं, वहीं ग्रामीण भारत में उनकी भूमिका अभी भी खेती, पशुपालन और घरेलू कामों तक सीमित है। शहरी भारत ऱवर्किंग वुमनऱ की तारीफ में कसीदे पढ़ता है, पर ग्रामीण महिला की मेहनत को ऱरोजमर्रा का कामऱ कहकर नजरअंदाज कर देता है। दोनों क्षेत्रों में महिलाओं की स्थिति को बेहतर करने के लिए अलग-अलग रणनीतियाँ चाहिए। शहरी क्षेत्रों में तकनीकी प्रशिक्षण और नेतृत्व विकास पर जोर देना होगा, तो ग्रामीण क्षेत्रों में सूक्ष्म-वित्त (माइक्रोफाइनेंस) और कौशल विकास की योजनाएँ कारगर हो सकती हैं। यहाँ क्रम का महत्व है–पहले शिक्षा, फिर कौशल, और अंत में अवसर। बिना इस क्रम के, हम सिर्फ हवा में तीर चला रहे हैं। सार्वजनिक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी को समझने के लिए हमें नीतियों और सामाजिक संरचना के बीच के संबंध को विश्लेषित करना होगा। भारत में सरकारी नौकरियां लंबे समय से पुरुष-प्रधान रही हैं, लेकिन हाल के दशकों में मातृत्व अवकाश, यौन उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम (पॉश) और आरक्षण जैसे प्रावधानों ने महिलाओं के लिए इस क्षेत्र को आकर्षक बनाया है। फिर भी, यह प्रश्न उठता है कि क्या ये नीतियां वास्तव में महिलाओं को सशक्त बना रही हैं या केवल उनकी उपस्थिति को बढ़ावा दे रही हैं। सार्वजनिक क्षेत्र में शीर्ष पदों पर महिलाओं का प्रतिनिधित्व अभी भी न्यून है। इसका कारण केवल नीतियों की कमी नहीं, बल्कि सामाजिक मानदंडों का वह जाल है जो महिलाओं को नेतृत्व की भूमिकाओं से दूर रखता है। यह एक ऐसी तार्किक विसंगति है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता–जब नीतियां समानता की बात करती हैं, तो सामाजिक संरचना असमानता को पोषित करती है। इस विरोधाभास को हल करने के लिए हमें नवाचार की आवश्यकता है, जैसे कि लिंग-संवेदनशील प्रशिक्षण और नेतृत्व विकास कार्यक्रम, जो केवल कागजी नहीं, बल्कि व्यावहारिक रूप से प्रभावी हों। निजी क्षेत्र में स्थिति और भी जटिल है। यह क्षेत्र भारत में आर्थिक विकास का इंजन है, लेकिन महिलाओं के लिए यह एक दोधारी तलवार की तरह है। एक ओर, यह क्षेत्र तकनीकी नवाचार और वैश्विक अवसरों का द्वार खोलता है; दूसरी ओर, यह असुरक्षा, असमान वेतन और कार्य-जीवन संतुलन की चुनौतियां लाता है। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में निजी क्षेत्र में समान कार्य के लिए समान वेतन का स्कोर 100 में से मात्र 25 है। यह आंकड़ा हमें यह सोचने के लिए मजबूर करता है कि क्या निजी क्षेत्र वास्तव में महिलाओं के लिए समावेशी है या केवल उनकी श्रम शक्ति का शोषण कर रहा है। निजी क्षेत्र में लाभ-केंद्रित दृष्टिकोण अक्सर लैंगिक समानता को पीछे छोड़ देता है। फिर भी, यह क्षेत्र नवाचार का केंद्र भी है। यदि कंपनियां लचीले कार्य समय, बाल देखभाल सुविधाओं और सुरक्षित परिवहन जैसे उपायों को अपनाएं, तो महिलाओं की भागीदारी में क्रांतिकारी बदलाव संभव है। यह एक ऐसा रचनात्मक समाधान है जो न केवल महिलाओं को सशक्त बनाएगा, बल्कि निजी क्षेत्र की उत्पादकता को भी बढ़ाएगा।

इन दोनों क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को प्रभावित करने वाला एक प्रमुख कारक सामाजिक मानदंडों का दबाव है। भारत में पितृसत्तात्मक संरचना ने लंबे समय से महिलाओं को घरेलू भूमिकाओं तक सीमित रखा है। यह मानसिकता न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में, बल्कि शहरी मध्यम वर्ग में भी गहरी जड़ें जमाए हुए है। यह एक ऐसी व्यवस्था है जो आर्थिक और सामाजिक दोनों दृष्टियों से अक्षम है। यदि महिलाएं कार्यबल में पूरी तरह शामिल हों, तो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 20 प्रतिशत तक की वृद्धि संभव है, जैसा कि कुछ अध्ययनों ने अनुमान लगाया है। फिर भी, यह संभावना तब तक अधूरी रहेगी जब तक सामाजिक मानदंडों में आमूलचूल परिवर्तन नहीं होता। इसके लिए हमें शिक्षा, जागरूकता और सांस्कृतिक पुनर्जनन की त्रयी को अपनाना होगा। यह एक दीर्घकालिक रणनीति है, लेकिन भारत जैसे देश में, जहां परंपरा और आधुनिकता का संगम है, यह सबसे प्रभावी मार्ग हो सकता है। राज्य-वार विश्लेषण इस तस्वीर को और स्पष्ट करता है। उदाहरण के लिए, केरल जैसे राज्य में महिलाओं की साक्षरता और स्वास्थ्य सेवाओं में भागीदारी अन्य राज्यों की तुलना में अधिक है, जिसके परिणामस्वरूप उनकी श्रम शक्ति भागीदारी भी बेहतर है। वहीं, हरियाणा जैसे राज्य में लैंगिक असमानता और सामाजिक दबाव के कारण यह दर कम है। यह अंतर हमें यह समझने में मदद करता है कि नीतियों का प्रभाव स्थानीय संदर्भों पर निर्भर करता है। एक समान राष्ट्रीय नीति सभी राज्यों के लिए प्रभावी नहीं हो सकती। इसलिए, हमें एक विकेन्द्रीकृत दृष्टिकोण अपनाना होगा, जहां प्रत्येक राज्य की विशिष्ट आवश्यकताओं और चुनौतियों को ध्यान में रखा जाए। यह एक नवोन्मेषी विचार है जो भारत की संघीय संरचना के अनुरूप है और महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने में निर्णायक सिद्ध हो सकता है। अंत में, हमें यह स्वीकार करना होगा कि महिलाओं की सक्रिय भागीदारी केवल एक लैंगिक मुद्दा नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय प्राथमिकता है। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां तार्किकता, नवाचार और भारत-केंद्रित दृष्टिकोण का संगम आवश्यक है। सार्वजनिक क्षेत्र में नीतिगत सुधार, निजी क्षेत्र में रचनात्मक समाधान और सामाजिक मानदंडों में परिवर्तन–ये तीनों मिलकर एक ऐसी व्यवस्था बना सकते हैं जहां महिलाएं न केवल भागीदार हों, बल्कि नेतृत्वकर्ता भी बनें। यह एक ऐसी दृष्टि है जो भारत को न केवल आर्थिक रूप से समृद्ध बनाएगी, बल्कि सामाजिक रूप से भी समतामूलक बनाएगी। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें संख्याओं से परे जाकर, संरचनाओं को बदलने और सोच को नया रूप देने की आवश्यकता है। यह एक चुनौती है, लेकिन भारत जैसे देश के लिए, जहां संभावनाएं अनंत हैं, यह एक अवसर भी है।

बदलते मौसम, टूटती औरतें, सूखे खेत, खाली रसोई और थकी औरतें

-प्रियंका सौरभ

जब हम जलवायु परिवर्तन की बात करते हैं, तो चर्चा अक्सर पिघलते ग्लेशियर, बढ़ते समुद्र तल और बदलते मौसम चक्रों तक सिमट जाती है। परंतु इसके मानवीय चेहरे झ विशेष रूप से ग्रामीण भारतीय महिलाओं के चेहरों झ को अक्सर भुला दिया जाता है। 2025 की बीजिंग इंडिया रिपोर्ट एक बार फिर यह स्पष्ट करती है कि जलवायु संकट कोई ऱजेंडर न्यूट्रलऱ आपदा नहीं है। इसके प्रभाव गहरे, असमान और स्त्री-विरोधी हैं। भारत की करोड़ों ग्रामीण महिलाएं पहले से ही संसाधनों की कमी, सामाजिक सीमाओं और अवैतनिक घरेलू ज़िम्मेदारियों के बोझ तले दबी हुई हैं। जलवायु परिवर्तन इस बोझ को और भारी बना देता है झ कभी सूखा बनकर, कभी बाढ़ बनकर, तो कभी धीमे-धीमे कुपोषण और थकावट के जहरीले मिलन के रूप में। बीजिंग रिपोर्ट बताती है कि जलवायु संकट न केवल महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता को गिरा रहा है, बल्कि उन्हें उनकी जैविक, सामाजिक और आर्थिक गरिमा से भी वंचित कर रहा है। ग्रामीण महिलाओं के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं पहले से ही सीमित हैं, लेकिन जलवायु परिवर्तन से उपजा पोषण संकट और गर्मी का तनाव उनके प्रजनन और मातृ स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। रिपोर्ट के अनुसार, लगातार डिहाइड्रेशन और एनीमिया के कारण महिलाओं में समय से पहले हिस्टेरेक्टॉमी (गर्भाशय-उच्छेदन) के मामले बढ़े हैं। यह केवल एक मेडिकल प्रक्रिया नहीं, बल्कि उनके शरीर से जुड़ी स्वायत्तता और गरिमा पर एक हमला है। बांझपन, जटिल प्रसव, और गर्भधारण में कठिनाइयाँ अब सामान्य सी समस्याएं बनती जा रही हैं- और इनके पीछे जलवायु से जुड़ी असुरक्षा की स्पष्ट छाया है।

भारत की अधिकांश ग्रामीण महिलाएं या तो खेतों में काम करती हैं या छोटे कृषि कार्यों में लगी होती हैं, लेकिन वे भूमि की मालकिन नहीं होतीं। जब बारिश असमय होती है, जब फसलें सूख जाती हैं या जब मिट्टी बंजर हो जाती है झ तो सबसे पहले और सबसे ज्यादा झटका इन महिलाओं को लगता है। बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में, लगातार सूखे की मार ने न केवल उत्पादन को गिराया है, बल्कि महिलाओं की मौसमी बेरोजगारी को भी बढ़ाया है। खेत से कटने का मतलब होता है रसोई का खाली होना, बच्चियों की स्कूल से विदाई और कर्ज. का एक और फेरा। जो महिलाएं कृषि से इतर हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण या छोटे पैमाने के व्यवसायों में लगी थीं, उन्हें भी चरम मौसम ने नहीं बख्शा। बीजिंग रिपोर्ट बताती है कि 2023-24 में चरम जलवायु घटनाओं के दौरान गैर-कृषि क्षेत्रों में महिलाओं की आय में औसतन 33% की गिरावट आई। यह न केवल आर्थिक नुकसान है, बल्कि आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास पर भी करारा प्रहार है। जलवायु से प्रेरित विस्थापन, परिवार की आय में गिरावट और पारंपरिक सोच झ ये तीनों मिलकर किशोर लड़कियों की शिक्षा को बाधित कर रहे हैं। जब परिवार के पास सीमित संसाधन होते हैं, तो सबसे पहले लड़कियों की पढ़ाई पर कैंची चलती है। उन्हें स्कूल से निकाल कर घरेलू काम में झोंक दिया जाता है, या जल्दी शादी के लिए तैयार किया जाता है। शिक्षा की यह टूटती श्रृंखला, उनके जीवन भर के अवसरों को सीमित कर देती है। विशेष रूप से आदिवासी और दलित महिलाएं जिन्हें पहले से ही सामाजिक हाशिए पर रखा गया है। जलवायु आपदाओं के समय सबसे ज्यादा उपेक्षा का शिकार होती हैं। 2020 के चक्रवात अम्फान के दौरान, सुंदरबन क्षेत्र की दलित महिलाओं ने बताया कि राहत केंद्रों से उन्हें बाहर रखा गया, और आश्रय निर्णयों में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। जलवायु संकट के समय सामाजिक भेदभाव और भी तीखा हो जाता है। बीजिंग इंडिया रिपोर्ट इस संकट को केवल उजागर नहीं करती, बल्कि इससे निपटने के स्पष्ट रास्ते भी सुझाती है झ जिनमें सबसे अहम है लैंगिक संवेदनशीलता को जलवायु रणनीति के केंद्र में लाना। राज्य स्तरीय जलवायु योजनाओं में महिलाओं की विशिष्ट जरूरतों को शामिल किया जाना चाहिए। ओडिशा जैसे राज्यों ने अपनी जलवायु रणनीतियों में लिंग संकेतकों को शामिल करना शुरू किया है, लेकिन जरूरत है कि यह पहल हर राज्य में दोहराई जाए। गांव, जाति और आर्थिक स्थिति के अनुसार लिंग-आधारित डेटा संग्रह आवश्यक है ताकि नीतियाँ धरातल पर असरदार साबित हो सकें। पंचायत स्तर पर लिंग घटक के साथ जलवायु भेद्यता सूचकांक बनाना एक प्रभावशाली कदम हो सकता है। स्वयं सहायता समूहों और महिला सहकारी समितियों को जलवायु-लचीले कृषि, हरित नौकरियों, नवीकरणीय ऊर्जा और कृषि-प्रसंस्करण के क्षेत्रों में कौशल प्रदान करके मजबूत किया जा सकता है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को बेहतर संसाधनों से लैस करना, विशेषकर प्रजनन और मातृ देखभाल के लिए, अत्यावश्यक है झ खासकर उन इलाकों में जो जलवायु संकट से प्रभावित हैं। गुजरात में महिलाओं द्वारा संचालित जल समितियों ने यह सिद्ध किया है कि जब महिलाएं नीति निर्माण और संसाधन प्रबंधन का हिस्सा बनती हैं, तो समाधान अधिक टिकाऊ और संवेदनशील होते हैं। स्थानीय आपदा प्रबंधन, वन अधिकार समितियों और जल प्रबंधन में महिला भागीदारी को अनिवार्य किया जाना चाहिए। (राष्ट्रीय जलवायु कार्य योजना) के अंतर्गत चल रहे मिशनों जैसे उजाला योजना, पीएमयूवाई आदि झ को महिला केंद्रित दृष्टिकोण के साथ पुनः परिभाषित किया जाए। जलवायु-संवेदनशील क्षेत्रों में इन योजनाओं के विस्तार से न केवल स्वास्थ्य और आजीविका सुदृढ़ होगी, बल्कि लैंगिक न्याय को भी बल मिलेगा। ग्रामीण महिलाएं केवल जलवायु परिवर्तन की पीड़िता नहीं हैं, वे बदलाव की वाहक भी बन सकती हैं। लेकिन इसके लिए जरूरत है कि हम उन्हें केवल सहायता की पात्र न मानें, बल्कि साझेदार के रूप में देखें। बीजिंग रिपोर्ट का यही संदेश है झ कि अगर हमें जलवायु परिवर्तन से प्रभावी ढंग से निपटना है, तो जेंडर और क्लाइमेट को एक-दूसरे से अलग नहीं, बल्कि एक साथ समझना होगा। एक महिला जब सूखते हुए तालाब की मिट्टी से अपने बच्चे के लिए पीने का पानी खुरचती है, वह सिर्फ मातृत्व नहीं, बल्कि जलवायु संकट की सबसे त्रासद छवि बन जाती है। अब वक्त है कि नीति, विज्ञान और समाज तीनों मिलकर उसकी आवाज को गंभीरता से सुनें।

भिवंडी ओलंपिक 2025 खेल प्रतियोगिता में भिवंडी कराटे एसोसिएशन के बच्चों ने अपनी प्रतिभा का दिखाया दम

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के स्व. परशुराम टावरे स्टेडियम में दस द्विसीय चलने वाले भिवंडी ओलंपिक 2025 में भिवंडी कराटे एसोसिएशन के नेतृत्व में भिवंडी के स्कूलों के बच्चों ने अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए अनेकों मेडल हासिल करने में कामयाबी हासिल किये। बताते चलें कि भिवंडी के इतिहास में पहली बार खेलों के महाकुंभ का आयोजन भिवंडी पश्चिम विधानसभा के विधायक महेश चौगुले के अगुवाई में पायनियर स्पोर्ट्स क्लब, उस्मानिया स्पोर्ट्स क्लब, मीत स्पोर्ट्स क्लब आदि के संयुक्त तत्वावधान में शुरू किया गया। इस खेल महाकुंभ में क्रिकेट, भाला फेक, चेस, तैराकी, कुश्ती, कराटे, दौड, वेट लिफ्टिंग, कबड्डी, नृत्य, खो खो, बैडमिंटन आदि 25 खेलों को समाहित किया गया है। वहीं भिवंडी कराटे एसोसिएशन के अध्यक्ष 5थ डन ब्लैकबेल्ट सलीम खान के नेतृत्व में भिवंडी के सभी स्कूलों के सैकड़ों कराटे खिलाड़ी बच्चों ने अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुये अनेकों मेडल जीतने में कामयाब हुये। इस कराटे प्रतियोगिता में मास्टर सलीम खान के साथ 4थ डन ब्लैकबेल्ट मास्टर अकबर अली, मास्टर हारुन सर, लक्ष्य स्पोर्ट्स मार्शल आर्ट एसोसिएशन की 3डन ब्लैकबेल्ट भूमि बेरीवार, 3ड डन ब्लैकबेल्ट माधव बेरीवार, ब्लैकबेल्टधारी लक्ष्य बेरीवार, ब्लैकबेल्ट धारी अर्चिता सागर गायकवाड, डायनेमिक मार्शल आर्ट कराटे क्लब के 3ड बलेकबेल्ट सुनेश सुदाम पाटिल, जाधव मार्शल आर्ट के 3ड ब्लैकबेल्ट सुरेश सनूर जाधव, 2ड डन ब्लैकबेल्ट लक्ष्मी गुप्ता, अश्विनी विश्वकर्मा, मास्टर राबी मोमिन, मास्टर वसीम काजी, 2ड डन ब्लैकबेल्ट सना खान, शुभम राठौड़, खुशी गुप्ता, पलक खान, सोनम शाही आदि कराटे मास्टर्स के कुशल मार्गदर्शन से बच्चों ने सफलता हासिल कर भिवंडी ओलंपिक 2025 के आयोजकों व भिवंडी कराटे एसोसिएशन को बधाई व शुभकामनाएँ दिये।

भारत सोनवणे की ओर से भव्य शोभायात्रा का आयोजन

कल्याण (उत्तरशक्ति)। भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉक्टर बाबासाहेब आंबेडकर की 134वीं जयंती के अवसर पर हर साल की तरह इस साल भी कल्याण के सूचक नाका इलाके से जय भीम तरुण मित्र मंडल और भारत सोनवणे की ओर से भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। सूचक नाका स्थित बुद्ध विहार में बुद्ध वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। इसके बाद मान्यवरों ने डॉक्टर बाबासाहेब आंबेडकर और छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमाओं पर पुष्पहार अर्पित कर अभिवादन किया। इस अवसर पर बाबासाहेब के अनुयायी बड़ी संख्या में सड़कों पर उतरकर शोभायात्रा में शामिल हुए और उत्साह के साथ जयंती मनाई। इस दौरान शिंदे गुट के पूर्व नगरसेवक नवीन गवली, एसीपी कल्याणजी घेटे, कोलसेवाड़ी थाने के सीनियर इंस्पेक्टर गणेश नायदे.समाज सेवक राजन दुबे, शाखाप्रमुख राजू उजगरे, सामाजिक कार्यकर्ता जमीर शेख, प्रवीण म्हात्रे, इस्माईल पठाण, भाजपा पदाधिकारी पांडुरंग भोसले, जय भीम तरुण मित्र मंडल के अध्यक्ष नारायण घोडके, उपाध्यक्ष अप्पासाहेब काले, सचिव बबन आठवले, हनीफ शेख समेत कई मान्यवर उपस्थित थे।

सैमसंग के एआई-पावर्ड बिग स्क्रीन टीवी के साथ इस आईपीएल सीजन में हर सिक्स और विकेट का अनुभव होगा और भी शानदार

मुंबई/पटना। सैमसंग, भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने बिग लीग, बिगर स्क्रीन कैंपेन शुरू किया है। इस कैंपेन में बड़ी स्क्रीन वाले प्रीमियम एआई टीवी, जैसे नियो क्यूएलईडी 8K, नियो क्यूएलईडी 4K, ओएलईडी और क्रिस्टल 4K, यूएचडी टीवी पर शानदार ऑफर्स दिए गए हैं। यह कैंपेन क्रिकेट देखने के अनुभव को बेहतर बनाएगा और स्टेडियम जैसा रोमांच देगा। 1 से 30 अप्रैल 2025 तक चलने वाले इस कैंपेन में उपभोक्ता सैमसंग के अल्ट्रा-प्रीमियम टीवी पर एक्सक्लूसिव ऑफर्स का लाभ उठा सकते हैं, जिससे उनके मैच देखने का मजा और शानदार हो जाएगा। इस ऑफर अवधि में सैमसंग टीवी खरीदने वाले ग्राहकों को खास लाभ मिलेंगे, जैसे 204,990 रुपये तक का मुफ्त टीवी या 99,990 रुपये तक का साउंडबार, जो शानदार ऑडियो अनुभव देगा। साथ ही, 20% तक कैशबैक, बिना डाउन पेमेंट, और 2,990 से शुरू होने वाली आसान इर्एमआइ की सुविधा भी मिल रही है, जिसकी अवधि 30 महीने तक हो सकती है। सैमसंग के प्रीमियम बिग-स्क्रीन टीवी हर मैच को और रोमांचक बनाते हैं। इनमें आधुनिक एआई अपस्केलिंग, सटीक रंग और शानदार साउंड क्वालिटी है। डॉल्बी एटमॉस और द-सिम्फनी सिनेमा जैसा साउंड देते हैं। सैमसंग नॉक्स सिक्योरिटी स्मार्ट टीवी को सुरक्षित और आसान बनाता है। एआई और क्वॉन्टम मैट्रिक्स टेक्नोलॉजी से ये टीवी बेजोड़ कंट्रास्ट, साफ तस्वीरें और चमक देते हैं, और किसी भी लिविंग रूम को आपके पर्सनल स्टेडियम में बदल देते हैं। इस आकर्षक कैंपेन में, ग्राहकों को 43 इंच या उससे बड़े आकार के नियो क्यूएलईडी 8ङ, नियो क्यूएलईडी 4K, ओएलईडी और क्रिस्टल 4K, यूएचडी टीवी पर खास ऑफर्स मिलेंगे। बड़ा और बेहतर देखने का अनुभव पाने का यह सबसे अच्छा मौका है। इसके 256 अकनेटवर्क्स ओटीटी कंटेंट, वीडियो गेम्स और लाइव स्पोर्ट्स को 8ङ क्वॉलिटी में जीवंत बनाते हैं। मोशन एक्सेलेरेटर टर्बो प्रो हाई-स्पीड गेमिंग और एक्शन से भरपूर मनोरंजन के लिए शानदार विजुअल्स और स्पीड देता है। नियो क्यूएलईडी 4K, NQ4 एआई जेन2 प्रोसेसर के साथ, किसी भी कंटेंट को शानदार 4K, रिजॉल्यूशन में बदल देता है।

भाजपा बोईसर मंडल द्वारा धूमधाम से मनाई गई डॉ. आंबेडकर की 134वीं जयंती

पालघर(उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी बोईसर मंडल द्वारा भारत रत्न, संविधान निमार्ता एवं महान समाज सुधारक डॉ. भीमराव आंबेडकर की 134वीं जयंती बड़े ही श्रद्धा, उत्साह के साथ मनाई गई। यह भव्य कार्यक्रम भाजपा मंडल कार्यालय, बोईसर में आयोजित किया गया, जिसमें भारी संख्या में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. आंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर की गई। इसके पश्चात वक्ताओं ने बाबा साहेब के जीवन संघर्ष, सामाजिक न्याय के लिए उनके सतत प्रयास और भारतीय संविधान निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष महेंद्र भोने ने कहा कि ₹डॉ. आंबेडकर केवल एक वर्ग के नेता नहीं थे, बल्कि वे पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनका जीवन, शिक्षा और समानता की दिशा में युवाओं को जागरूक करने वाला है। हमें उनके विचारों को आत्मसात कर समरस समाज की दिशा में कार्य करना चाहिए।₹ इस कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रशांत संखे, जिला सचिव सत्यप्रकाश सिंह, मंडल सरचिटणीस मनीष सिंह, युवा मोर्चा उपाध्यक्ष

अमित संखे, व्यापार मंडल अध्यक्ष दुर्गेश सोलंकी, पदाधिकारी अंकुर राऊत, वरिष्ठ नेता संजय पाटील, वैशाली सादुलवाड, नितेश घरत आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सभी ने बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके सिद्धांतों को आगे बढ़ाने की प्रतिज्ञा ली। वक्ताओं ने विशेष रूप से शिक्षा, संविधान और सामाजिक समानता जैसे मुद्दों पर बाबा साहेब के योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में युवाओं की भी बड़ी भागीदारी देखी गई, जो समाज के प्रति जागरूकता का प्रतीक बनी। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया, जिसमें उपस्थित सभी जनों ने एक स्वर में भाग लेकर राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया। आयोजन की सम्पूर्ण व्यवस्था भाजपा बोईसर मंडल के कार्यकताओं द्वारा कुशलतापूर्वक की गई थी।

शिवसेना ठाकरे गुट का नाला सफाई अभियान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मानसून आने में दो महीने बाकी हैं और शहर के विभिन्न हिस्सों में छोटे-बड़े नालों और सीवरों की सफाई शुरू हो गई है। देखने में आया है कि अनेक जगहों पर छोटी नालियों में प्लास्टिक का अंबार लगा लगा रहता है। जिसकी साफ सफाई मनपा की ओर से की जाती है। जिससे कि बरसात के मौसम में पानी जमा जलजमाव न हो। वहीं घाटकोपर पश्चिम के इलाकों में शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी की ओर से विभाग प्रमुख सुरेश पाटिल के निर्देशानुसार शाखा प्रमुख संजय कदम की देखरेख में नाला सफाई अभियान की मुहिम शुरू की गई है। संपूर्ण वार्ड में विभिन्न स्थानों पर नालियों और सीवरों का निरीक्षण और सफाई की जा रही है। शिवसेना शाखा प्रमुख संजय कदम ने यह भी कहा कि शिवसेना नागरिकों से सीवरों और नालियों में कचरा न फेंकने की अपील कर रही है।

जिला परिषद पालघर में हर्षोल्लास पूर्वक मनाई गई डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती

पालघर(उत्तरशक्ति)। भारतीय संविधान के शिल्पकार, भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती सोमवार 14 अप्रैल 2025 को जिला परिषद पालघर में श्रद्धा व आदर के साथ मनाई गई। समाज कल्याण निरीक्षक सूर्यमाला पिचड के करकमलों से डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर जिला परिषद पालघर के कंप्यूटर विशेषज्ञ सतीश साबले, पंचायत समिति वसई के कनिष्ठ सहायक किशोर पाटील, तथा सामान्य प्रशासन विभाग के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी राहुल वडे ने भी उपस्थित रहकर डॉ. आंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान डॉ. आंबेडकर के विचारों की महत्ता को रेखांकित किया गया और उनके सामाजिक, शैक्षणिक एवं संवैधानिक योगदान को याद किया गया। उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने सामाजिक समता, बंधुता और न्याय के प्रति डॉ. आंबेडकर के विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लिया।

चेंबूर में कलाकारों और खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। चेंबूर में अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद और राष्ट्रीय बजरंग दल द्वारा आयोजित हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभा वान खिलाड़ियों और कलाकारों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान हनुमान जयंती के अवसर पर भक्तों ने हनुमान चालीसा का पाठ किया और महाप्रसाद (भंडारा) वितरित किया।. हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर आयोजित पंचमुखी हनुमान मंदिर, चेंबूर कैंप में चेंबूर के कट्टर हिंदुत्ववादी नेता जयप्रकाश बाबूलाल अग्रवाल उर्फ जेपी भाई के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में तारक मेहता का उल्टा चश्मा की पूरी टीम, ताइक्वांडो प्रतियोगिता के विजेताओं और सामाजिक एवं राजनीतिक गणमान्य व्यक्तियों का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर 5वीं महाराष्ट्र राज्य ओपन

ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्वर्ण पदक विजेताओं के साथ-साथ एक्रोबेटिक जिम्नास्टिक खेल में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पदक विजेताओं के साथ-साथ महाराष्ट्र सरकार के शिव छत्रपति राज्य क्रीड़ा पुरस्कार प्राप्त खिलाड़ियों को शिवसेना नेता और पूर्व सांसद राहुल शेवाले, विधायक तुकाराम काटे, विधायक डॉ. अनीता लोधी राजपूत डिबाई उत्तर प्रदेश और नवी मुंबई के उद्योगपति अनिल शुक्ला के द्वारा स्मृति चिन्ह और शॉल देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान विशेष रूप से उपस्थित तारक मेहता का उल्टा चश्मा की पूरी टीम शरद सांकला उर्फ अब्दुल भाई, बागा, बाका, बावरी को सम्मानित किया गया। आयोजक जयप्रकाश अग्रवाल उर्फ जेपी भाई के सहयोग से इस कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजक वि.एल .भारद्वाज, राष्ट्रीय बजरंग दल कोंकण प्रांत, ब्रिजेश सिंह, उमेश पांडे ने कड़ी मेहनत की। इसी तरह. मनोज गुप्ता, नरेश ठाकुर, विनोद यादव, मुन्ना सिंह भैया, अनिल गुप्ता, शिव बहादुर सिंह, सूरज पांडे, सिद्धेश सूर्यवंसी आदि राम भक्तों ने भी सहयोग किया। इस दौरान हनुमान जयंती कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाया जाय: जयप्रकाश अग्रवाल

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून के मुद्दे पर हो रहे विरोध प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया। इस घटना की पूरे देश में निंदा हो रही है। वहीं कट्टर हिंदू समर्थक और भारतीय जनता पार्टी ट्रांसपोर्ट सेल के महाराष्ट्र प्रदेश उपाध्यक्ष जयप्रकाश बाबूलाल अग्रवाल ने कोलकाता के मुर्शिदाबाद में हुई हिंसक वारदात की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए तृणमूल सरकार पर हमला बोला है। अग्रवाल ने कहा कि पश्चिम बंगाल में कुछ समय से हिंसा की वारदाते बढ़ती जा रही हैं ऐसे में वहां राष्ट्रपति शासन की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से बंगाल में प्रदर्शन हो रहा था ऐसा लग रहा था की वहां

कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। अग्रवाल के अनुसार मुर्शिदाबाद में केवल हत्या नहीं हुई, बल्कि डेढ़ दर्जन के करीब पुलिस वाले भी घायल हैं। यदि सुरक्षा व्यवस्था करने वालों पर ही हमले होते रहेंगे तो हमलावरों का मनोबल बढ़ जाएगा। हिंसक वारदात के लिए दोषी लोगों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। जयप्रकाश बाबूलाल अग्रवाल ने कहा कि वक्फ संशोधन अब दोनों सदनों से पास होने के बाद राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद वह कानून बन गया। इस कानून के खिलाफ पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी की सरकार लोगों को उकसाने का काम कर रही है। जिस तरह से घर में घुसकर पिता-पुत्र की हत्या हुई है, पुलिस मूक खड़ी थी। पुलिस पर भी हमला हुआ है। वहां कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। कोर्ट के आदेश पर केंद्र ने सुरक्षा दी है, वरना वहां लोगों का सुरक्षित रहना मुश्किल था। जयप्रकाश अग्रवाल ने अब वहां राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की है।

रेलवे वरिष्ठ अधिकारियों से परेशान सीनियर सेक्शन इंजीनियर

दिल्ली से लेकर मुंबई तक इंजीनियर का संघर्ष जारी

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण में एक रेल कर्मचारी अपने 18 महीने के बकाया वेतन के लिए लगभग तीन साल से संघर्ष कर रहा है। सीनियर सेक्शन इंजीनियर के पद पर कार्यरत विनोद धुरंधर का आरोप है कि उनके वरिष्ठ अधिकारियों ने झूठे कागजात के जरिए उन्हें ड्यूटी पर गैर हाजिर दिखाया। ड्यूटी पर मौजूद होते हुए भी 18 महीनों तक उनके नाम के आगे एब्सेंट लिखते रहे है। जिसके कारण रेलवे ने विनोद धुरंधर का 18 महीनों का वेतन रोक दिया, जो करीब 18 लाख रुपये होता है। इस मामले में विनोद ने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ रेल प्रशासन से शिकायत की थी। विनोद का कहना है कि शिकायत

पीछे लेने की शर्त पर अधिकारियों ने उन्हें बकाया वेतन देना का आश्वासन दिया था, लेकिन यह आश्वासन झूठा साबित हुआ। बीते तीन साल से विनोद धुरंधर अपने हक के रुपयों के लिए रेलवे के आला अधिकारियों से न्याय की गुहार लगा रहे है, लेकिन इस मामले का उचित संज्ञान नहीं लिया जा रहा है। इस संबंध ने उन्होंने रेल प्रशासन से शिकायत कर दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। विनोद का बच्चा कल्याण की रेलवे स्कूल में पढ़ता है। उनका आरोप है कि विनोद का गुस्सा उनके बेटे पर निकाला जा रहा है। स्कूल में उनके बेटे को प्रताड़ित किया जा रहा है।

फेडएक्स ने सीएसके के साथ मिलकर नई डिजिटल फिल्म लॉन्च की

मुंबई (उत्तरशक्ति)। दुनिया की अग्रणी एक्सप्रेस ट्रांसपोर्टेशन कंपनी फेडरल एक्सप्रेस कॉर्पोरेशन (फेडएक्स) ने भारत में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ मिलकर अपनी नवीनतम डिजिटल फिल्म लॉन्च की है। इस फिल्म में सीएसके के तीन लोकप्रिय सितारे महेंद्र सिंह धोनी, रुतुराज गायकवाड़ और रविचंद्रन अश्विन दिखाई देते हैं।

ह्यद फेडएक्स फैक्टर- पॉवरिंग बोल्ड बिजनेस आइडियाज यह ब्रांड फिल्म भारत के उन जुझारू उद्यमियों को समर्पित है जो नई सोच, साहस और आत्मविश्वास के साथ परंपरा की सीमाओं को तोड़ते हैं। फिल्म में क्रिकेट की मैदान में खिलाड़ियों की संघर्षशीलता को व्यवसाय की दुनिया में उभरते स्टार्टअप्स और कारोबारियों की प्रतिबद्धता के साथ जोड़ा गया है। यह दिखाती है कि जैसे क्रिकेट में हर रन के पीछे एक रणनीति होती है, वैसे ही हर सफल व्यापारिक यात्रा के पीछे एक भरोसेमंद लॉजिस्टिक्स पार्टनर की जरूरत होती है और यहां फेडएक्स उस यात्रा का एक सशक्त साथी बनता है।

फेडएक्स के वाइस प्रेसिडेंट झ्र मार्केटिंग, एयर नेटवर्क और कस्टमर एक्सपीरियंस (मिडिल ईस्ट, इंडियन सब-कॉन्टिनेंट और अफ्रीका) श्री नितिन नवनीत टाटीवाला ने इस अवसर पर कहा, सीएसके के साथ हमारी दीर्घकालिक साझेदारी हमें न सिर्फ देशभर के करोड़ों क्रिकेट प्रशंसकों से जोड़ती है, बल्कि यह भी दशार्ती है कि हम उद्यमों को आगे बढ़ाने में कितने गंभीर हैं। जैसे क्रिकेट में जीत के लिए अनुशासन, रणनीति और जुनून चाहिए, वैसे ही बिजनेस की दुनिया में भी नवाचार को दिशा देने वाला मजबूत नेटवर्क जरूरी है। हर बेहतरीन विचार को एक मजबूत ढांचा चाहिए – और हमें गर्व है कि फेडएक्स इस दिशा का भरोसेमंद रास्ता बनता है।

सीएसके के आधिकारिक स्पॉन्सर के तौर पर फेडएक्स भारत में छोटे और मझोले कारोबारों के लिए एक मजबूत समर्थन प्रणाली के रूप में उभरा है। सीएसके की प्रतिष्ठित पीली जर्सी पर चमकता फेडएक्स का लोगो न सिर्फ सटीकता, भरोसे और उत्कृष्टता का प्रतीक है, बल्कि यह उन मूल्यों का प्रतिनिधित्व करता है जो एक उद्यमी और क्रिकेट प्रेमी दोनों के लिए खास हैं।

इस साझेदारी के हिस्से के रूप में फेडएक्स ने मुंबई, दिल्ली और बेंगलुरु में विशेष फेडएक्स-सीएसके को-ब्रांडेड डिलीवरी गाड़ियों को भी सड़कों पर उतारा है। ये गाड़ियाँ ब्रांड की गति, नवाचार और उत्कृष्टता के प्रति साझा प्रतिबद्धता की झलक देती हैं। यह ब्रांड फिल्म पूरे भारत में डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और सोशल मीडिया चैनलों पर रिलीज की जा रही है ताकि इसकी प्रेरणा क्रिकेट प्रेमियों, व्यवसायिक नेताओं और नवोदित उद्यमियों तक आसानी से पहुंचे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

मुर्शिदाबाद हिंसा

वाराणसी में ममता बनर्जी का फूंका गया पुतला, सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग

डॉ. एस.के. मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हिंसा के विरोध में वाराणसी में आक्रोश देखा जा रहा है। जिले के लमही के सुभाष मंदिर के सामने सोमवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री का प्रतीकात्मक पुतला फूंका गया इस दौरान राष्ट्रीय मुस्लिम महिला फाउंडेशन ने पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी सरकार को बर्खास्त करने और राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की।सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सोमवार को लमही के सुभाष मन्दिर के सामने ममता बनर्जी का प्रतीकात्मक पुतला फूंका। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री को बर्खास्त करने और गिरफ्तार करने की मांग भारत के प्रधानमंत्री से की। महिलाओं ने तख्ती लेकर प्रदर्शन किया, जिस पर लिखा था कि 'देश की जनता करे पुकार, हिन्दुओं को बचा लो सरकार। वक्फ बिल तो बहाना है देश का हिन्दू निशाना है, ममता बनर्जी को गिरफ्तार करो। विशाल भारत संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजीव ने कहा कि पश्चिम बंगाल हिन्दुओं के लिए असुरक्षित हो गया है। किसी न किसी बहाने हिन्दुओं को खुलेआम मारा जा रहा है। उनको भगाकर उनकी जमीनों पर कब्जा किया जा रहा है उन्होंने कहा कि इस पर तभी लगाम लगेगी जब ममता बनर्जी जैसी नेताओं को जेल भेजा जाएगा।राष्ट्रीय मुस्लिम महिला फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष नाजनीन अंसारी ने कहा किपश्चिम बंगाल हिन्दुओं के मानवाधिकार हनन का केन्द्र बन गया है। हिन्दुओं की चीख पूरी दुनिया को सुनाई नहीं दे रही है।अब ऐसे नेताओं का पूर्ण बहिष्कार होना चाहिए। यह था मामला : पश्चिम बंगाल में मुर्शिदाबाद के कई इलाकों में शुक्रवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुआ था। हिंसक प्रदर्शन के दौरान यहां तीन लोगों की मौत हो गई थी। वहीं मामला गंभीर होता देख कलकत्ता हाईकोर्ट ने मुर्शिदाबाद में केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश दिया था। हिंसा के दौरान अब तक 138 से ज्यादा उपद्रवियों को गिरफ्तार किया गया था।

सार्वजनिक प्राथमिक विद्यालय में पहुंची जांच टीम, जलपान में ही व्यस्त रहे जांच अधिकारी

विद्यालय का आरओ मशीन खराब शिकायत के बाद भी नही हुआ दुरुस्त

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के पुरानी बाजार स्थित सार्वजनिक प्राथमिक विद्यालय में अध्यापकों की गुटबाजी अब जिला मुख्यालय तक पहुंच गई है मंगलवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी गोरखनाथ पटेल ने एक अध्यापक की शिकायत पर दो जांच अधिकारी नियुक्त कर उक्त विद्यालय में भेजा जिसमे करंजाकला खण्ड शिक्षा अधिकारी श्रवणकुमार, एवं सुइथाकला खण्ड शिक्षा अधिकारी आनंद सिंह शामिल थे। विद्यालय पहुंच कर दोनों घण्टो प्रधानाद्यापक के दफ्तर में घण्टों बैठ कर जलपान में ही ही व्यस्त रहे। घण्टों बाद जब दोनों अधिकारी रूम से बाहर निकले तो पत्रकारों द्वारा पूछे जाने पर दोनों अधिकारियों ने कुछ भी बताने से इनकार कर दिया। बताते चले की उक्त विद्यालय में अध्यापकों के बीच की गुटबाजी की खबरें कई बार सामने आचुकी हैं। प्रधानाद्यापक वीरेंद्र कुमार यादव के ऊपर स्थानीय सभासद और विद्यालय के शिक्षकाओं ने भी कई गम्भीर आरोप लगा चुके हैं। तो दूसरी तरफ प्रधानाद्यापक भी शिक्षिकाओं पर बच्चों के पढ़ाई में लापरवाही का आरोप लगा चुके है। अब देखना यह है की इस जांच कमेटी द्वारा अपने अधिकारी को क्या जांच रिपोर्ट सौंपते हैं। ये तो आने वाला वक्त बताएगा की सच्चाई क्या है।

वहीं जब इस सबन्ध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी गोरखनाथ पटेल से बात की गई तो उन्होंने कहा कि एक अध्यापक आये थे शिकायत करने जिसको संज्ञान लेकर जांच दल भेजा गया था। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद उचित कार्यवाई की जाएगी।

वहीं विद्यालय में निरीक्षण के दौरान पाया गया की विद्यालय परिसर में लगे दो आरओ मशीन काफी दिनों से खराब पड़ा है। एक शिक्षका ने नाम न छापने की शर्त पर बताया की कई बार इसकी जानकारी जिम्मेदारों को दी गयी मगर कोई सुनवाई नही हुई। बच्चे टैंकी का पानी पीते है और उसी पानी मिडडे मील का खाना भी बनता है। एक कर्मचारी ने बताया की जिस टैंकी का पानी बच्चे पीते है वह काफी समय से उसकी सफाई भी नही है। एक तरह से देखा जाय तो यह बच्चों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है।

कोतवाली पुलिस ने चेंकिग के दौरान पिस्टल, कारतूस व 150 ग्राम डायजापाम के साथ हिस्ट्रीशीटर को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध की रोकथाम एवं आपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे ।अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के दिशा निर्दशन एवं क्षेत्राधिकारी नगर के निकट पर्यवेक्षण में प्र0नि0 मिथिलेश कुमार मिश्र व प्र0चौ0 राजकालेज उ0नि0 रामप्रकाश यादव मय हमराह भण्डारी रेलवे कालोनी के पास रोड पर चेकिंग मे मामूर थे कि एक व्यक्ति रसूलाबाद तिराहे की तरफ से भण्डारी स्टेशन की तरफ आता हुआ दिखाई दिया जैसे ही उसकी नजर पुलिस बल पर पड़ी व पीछे मुड़ कर तेज कदमों से भागना चाहा कि संदिग्ध व्यक्ति का संदेह होने पर पुलिस बल द्वारा उस व्यक्ति को दौड़ा कर पकड़ लिया गया। पकड़े गये व्यक्ति से नाम पता पूछते हुए भागने का कारण पूछा गया तो अपना नाम भिन्नझभिन्न बताते हुए अन्त मे अपना नाम शहजादे पुत्र नजीर अहमद निवासी अबीरगढ़ टोला थाना कोतवाली, जौनपुर बताया, यह जानकर कि पकडा गया व्यक्ति कुख्यात अपराधी है नियमानुसार जामा तलाशी ली गयी तो उसके कब्जे से एक पिस्टल .32 बोर मय मैगजीन के व 4 जिन्दा कारतूस .32 बोर व 150 ग्राम डायजापाम नशीला पाउडर बरामद हुआ, कड़ाई से पूछताछ करने पर बताया कि यह नशीला पाउडर पुड़िया बनाकर बेचता हूं व बेचवाता हूं उससे प्राप्त धन से अपना जीवीकोपार्जन करता हूं। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0-104/25 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट व मु0अ0सं0- 105/25 धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत किया गया । आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुये न्यायालय के समक्ष भेजा गया।

किक बॉक्सिंग पदक विजेता खिलाड़ी पूजा का अध्यापकों ने किया भव्य स्वागत

◆ **पी.एस. पब्लिक स्कूल की पूर्व छात्रा रह चुकी हैं पूजा पटेल**

डॉ. एस.के. मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के राजातालाब आराजी लाइन विकासखंड क्षेत्र के मेहंदीगंज स्थित पी एस पब्लिक स्कूल में मंगलवार को चेयरमैन अमरनाथ पटेल की देखरेख में आयोजित स्वागत समारोह के दौरान डायरेक्टर दिनेश पटेल ने थाईलैंड में आयोजित प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए 50 किलो भार में किक बॉक्सिंग में रजत पदक विजेता खिलाड़ी पूजा पटेल को माला पहनकर एवं अंगवस्त्र के साथ स्मृति चिन्ह देकर भब्य स्वागत कर बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना किया। डायरेक्टर दिनेश पटेल ने बताया कि पूजा पटेल हमारे इस विद्यालय की पूर्व छात्रा भी रह चुकी है। इन्होंने क्षेत्र के साथ-साथ हमारे विद्यालय का भी नाम रोशन किया है। जिसको लेकर हमारे स्कूल के सभी अध्यापक वी अध्यापिकाएं गर्वान्वित है। चेयरमैन अमरनाथ पटेल ने बताया कि पूजा पटेल ने थाईलैंड में 7 से 12 अप्रैल तक आयोजित किंग बॉक्सिंग वर्ल्ड कप प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। उनके कोच गोपाल बहादुर शाही का भी स्वागत किया गया।इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रबंधक उत्तम पटेल, प्रिंसिपल कल्पना शर्मा रेखा पटेल, प्रियांशी श्रीवास्तव, अमृता जोशी, वंदना, अर्चना, आकांक्षा, दिनेश, आकाश, संदेश शुभम, अजीत आदि अध्यापक गण उपस्थित रहे।

चौकियां माता धाम जाने वाले संपर्क मार्ग का होगा कायाकल्प, 2.17 करोड़ की धनराशि स्वीकृत

शब्बीर हैदर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। धर्मार्थ योजना के तहत लखनऊ-मांझीघाट मार्ग पर प्रसाद स्कूल से चौकियां माता धाम तक संपर्क मार्ग का कायाकल्प होने जा रहा है। इस परियोजना के लिए राज्य सरकार ने 2 करोड़ 17 लाख 78 हजार रुपये की धनराशि स्वीकृत कर दी है। लोक निर्माण विभाग के अनुसार जल्द ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।सड़क बनने से हर दिन

30,000+ यात्रियों को मिलेगी राहत

सड़क की हालत लंबे समय से खराब होने के कारण बरसात के मौसम में राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। जलभराव और फिसलन के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती थीं। अब इस मार्ग के निर्माण से हर दिन इस रास्ते से गुजरने वाले 30 हजार से अधिक श्रद्धालुओं और यात्रियों को बड़ी राहत मिलने वाली है। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), खेल एवं युवा कल्याण, गिरीश चंद्र यादव के प्रस्ताव पर शासन ने दो करोड़ 17 लाख 78 हजार जारी कर दिया गया है। टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी हैं।सड़क का सुदृढ़ीकरण व विकास कार्य जल्द होगा शुरू लोक निर्माण विभाग के प्रांतीय खंड के अधिशासी अभियंता राजेंद्र वर्मा ने बताया कि इस परियोजना के तहत 1.630 किलोमीटर लंबे मार्ग का सुदृढ़ीकरण व विकास कार्य जल्द ही कराया जाएगा। यह कार्य धर्मार्थ योजना के अंतर्गत किया जा रहा है।

वाराणसी में क्यूआर कोड से पहचाने जाएंगे वैध और अवैध निर्माण, अफसरों को होगी सहूलियत

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के शहर में वैध और अवैध निर्माण की पहचान अब क्यूआर कोड से होगी। नोटिस के नीचे क्यूआर कोड अंकित किए जाएंगे। इससे जांच करने जाने वाले अधिकारियों को सहूलियत होगी। विकास प्राधिकरण की ओर से व्यावसायिक निर्माण कार्यस्थलों से इसकी शुरूआत की है। क्यूआर कोड के जरिये जांच के लिए जाने वाले अधिकारी आसानी से यह पता कर लेंगे कि निर्माण वैध है अथवा अवैध है। विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग के निदेशार्नुसार नोटिस के नीचे क्यूआर कोड अंकित किया जाएगा। इससे निर्माणकताओं को भी सहूलियत होगी। साथ ही वीडीए के जांच अधिकारियों को भी जांच करने में सहूलियत होगी।

बार और अधिकारियों के बीच गतिरोध समाप्त

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र और कलेक्ट्रेट

अधिवक्ता समिति जौनपुर के अध्यक्ष, महामंत्री, प्रतिष्ठित एवं विद्वान अधिवक्ताओं, अधिकारियों की उपस्थिति में सौहार्दपूर्ण ढंग से वादकारियों तथा त्वरित न्याय के दृष्टिगत वार्ता हुई। इस दौरान समस्त गतिरोधों को समाप्त करते हुए दोनो पक्षों के मध्य स्वस्थ एवं सौहार्दपूर्ण संवाद हुआ जिसके पश्चात निर्णय लिया गया कि सभी न्यायालय पूर्व की भांति कार्य करेंगे तथा समय समय पर बैठक कर अन्य विषयों के समाधान हेतु कार्य करेंगे। कलेक्ट्रेट बार के अध्यक्ष घनश्याम सिंह ने कहा कि बार और अधिकारियों के मध्य जो भी समस्याए और गतिरोध थे, उन्हे समाप्त कर दिया गया है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी भू-राजस्व अजय अम्बष्ट, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह, उप जिलाधिकारी संतवीर सिंह, महामंत्री मनोज कुमार मिश्र, अधिवक्तागण राजेन्द्र प्रजापति, शिवशंकर यादव, रामजीत मौर्या, सुरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, उदय प्रताप, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र प्रताप सिंह, हीरालाल गुप्ता, पूर्व महामंत्री आनन्द मिश्रा, सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

सफल व्यक्ति का साथ ही सफलता की चाभीः बृजभूषण सिंह

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। यूपी स्टेट रायफल एसोशिएशन द्वारा आयोजित 24 वें प्री यू पी स्टेट शूटिंग प्रतियोगिता का समापन एक होटल में मंगलवार को समारोह पूर्वक हुआ। मुख्य अतिथि भारतीय कुश्ती संघ के निवर्तमान अध्यक्ष और पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह रहे। 12 से 15 अप्रैल तक चलने वाले चार दिवसीय शूटिंग प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के 40 जिलों के लगभग 750 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। समारोह की शुरूआत में मुख्य अतिथि बृज भूषण शरण सिंह, विशिष्ट अतिथि पूर्व गृह राज्य मंत्री महाराष्ट्र कृपा शंकर सिंह यूपी स्टेट राइफल एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद श्याम सिंह यादव ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। कार्यक्रम की सफलता में अहम भूमिका निभाने वाले रिवर व्यू होटल के मालिक डॉ के पी यादव को आयोजन समिति द्वारा सम्मानित किया गया। श्याम सिंह यादव ने कहा कि भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष पद पर रहते हुए बृजभूषण शरण सिंह के चारित्रिक हनन का भी कुछ लोगों द्वारा असफल प्रयास किया गया। लेकिन सोने की तरह तप कर अपने आपको बेदाग साबित किया। संसद मे अग्रणी भूमिका निभाने के साथ साथ उनकी व्यक्तिगत समस्याओं का निराकरण करके अपने क्षेत्र के दुलारे नेता के रूप में उभरे। पहलवानों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। एक हमारे साथ हुए थे कुश्ती के खिलाड़ियों को साधन भी मुहैया कराया। इस मौके पर मुख्य अतिथि बृज भूषण शरण सिंह ने कहा जीवन के हर क्षेत्र में हमेशा साधारण परिवार के लोग ही इतिहास रचते हैं। कहा कि बच्चे भगवान का रूप होते हैं। आज मैं कार्यक्रम में इसीलिए आया कि मुझे पता चला कि यह कार्यक्रम बच्चों का है। कहा कि जीवन में कभी भी असफल व्यक्ति के साथ मत बैठना। सफल व्यक्ति के साथ बैठोगे तो जीवन में बहुत कुछ मिलेगा। उन्होंने यू पी स्टेट राइफल एसोसिएशन के अध्यक्ष श्याम सिंह यादव को शानदार आयोजन के लिए और विजेताओं को मेडल जीतने की बधाई भी दी।

राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन ने बहुत ही धूमधाम से मनाई अंबेडकर जयंती

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के प्रदेश एवं जिला अध्यक्ष विनय जायसवाल ने बताया कि भारत रत्न, संविधान निमार्ता, एवं हमारे देश के पहले कानून मंत्री डॉ.भीमराव अंबेडकर का संविधान बनाने में बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। इसीलिए उनको संविधान निमार्ता कहा जाता है। उन्होंने समाज में पर्याप्त मात्रा में फैली असमानता, भेदभाव, छुआछूत जैसी गंभीर समस्या को जड़ से खत्म कर दिया और समाज के प्रत्येक व्यक्ति को एक समान अधिकार दिलाने का कार्य किया हैं प्रदेश सचिव ने यह बताया कि हमारे देश में हर एक व्यक्ति चाहे वह उच्च जाति का हो, चाहे वह निम्न जाति का हो, सबको एक समान अधिकार दिलाने का कार्य किया बाबा साहेब ने किया है। अब किसी भी प्रकार का समाज में भेदभाव नहीं है। सब एक दूसरे के साथ मिलजुल अपना जीवन व्यतीत करते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष मरियाहू अलख निरंजन गौतम एवं उनकी पूरी टीम ने की इस अवसर पर राज जायसवाल, रितेश चंद्रेश जायसवाल, फिरोज खान, नीरज कुमार, अंकित मौर्य, संतोष शर्मा, मुकेश यादव, अनिल वर्मा, सनी कुमार, राजकमल मंगला, दीपक कुमार, अरविंद कुमार, रितेश कुमार, शक्ति कुमार, हृदेश कुमार, आदर्श कुमार, प्रदीप कुमार, रिशु भास्कर, शशांक कुमार, सुमित कुमार, मनीष कुमार, इत्यादि लोग कार्यक्रम में मौजूद रहे।

अभियान के दौरान 21 वाहनों का हुआ चालान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अवैध रूप से संचालित ई-रिक्शा वाहनों के विरूद्ध 01 अप्रैल 2025 से 30 अप्रैल 2025 तक परिवहन विभाग एवं पुलिस विभाग के द्वारा संयुक्त अभियान चलाकर कार्यवाही किये जाने के निर्देश के अनुपालन में 15 अप्रैल को जनपद जौनपुर में अवैध, अनधिकृत, बिना वैध प्रपत्र संचालन, अवयस्कों द्वारा संचालन आदि अभियोगों के प्रति परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से प्रवर्तन कार्यवाही संपादित की गयी। सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) वाराणसी मनोज कुमार वर्मा जी के नेतृत्व में जनपद में हौज टोल प्लाजा, सिपाह चौराहा, लाइन बाजार, शाही किला एवं ओलंदगंज आदि स्थानों पर प्रवर्तन कार्यवाही की गयी। अभियान के अंतर्गत सायं 05 बजे तक 21 वाहनों का चालान किया गया एवं 05 वाहनों को थानों में बन्द किया गया एवं अन्य 85 ई-रिक्शा चालकों चेतावनी दी गयी। अवैध एवं अनधिकृत ई-रिक्शा एवं ऑटो रिक्शा के प्रति अभियानात्मक कार्यवाही जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के निर्देशन पर संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) वाराणसी के नेतृत्व में सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) सत्येन्द्र कुमार सिह, यातायात निरीक्षक के साथ प्रवर्तन कार्यवाही किया गया। प्रवर्तन कार्यवाही में प्रमोद कुमार, यात्री/मालकर अधिकारी जौनपुर, सुशील मिश्रा, यातायात निरीक्षक एवं सुनील कुमार तिवारी, सहायक यातायात निरीक्षक एवं परिवहन विभाग तथा यातायात पुलिस के अन्य कार्मिक शामिल थे। ई-रिक्शा/ऑटो रिक्शा चालकों से अपील है कि वे वाहन के समस्त प्रपत्रों को अद्यतन करा लें। वाहन स्वामी किसी भी स्थिति में अवयस्कों को ई-रिक्शा एवं ऑटो रिक्शा चलाने की अनुमति न दें।

आईजीआरएस निस्तारण में लापरवाही पर जिलाधिकारी ने रोका लेखपाल और राजस्व निरीक्षक का वेतन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सचिव, उ०प्र० शासन, लोक शिकायत के निर्देश के अनुपालन में जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र के द्वारा 14 अप्रैल 2025 को आई०जी०आर०एस० पोर्टल पर अनुमोदन हेतु जिलाधिकारी के लागिन पर प्राप्त निस्तारण आख्या का परीक्षण किया गया।निरीक्षण में उन्होंने पाया कि जिलाधिकारी सन्दर्भ संख्या-20019425011714 श्रीमती सावित्री देवी, निवासी ग्राम कोदैला, तहसील मडियाहूँ, जौनपुर के शिकायती प्रार्थना पत्र पर संलग्न निस्तारण आख्या ह्णआ०नं०-345/0.94 हे० का उ०प्र०रा०सं० 2006 की धारा-116 के अन्तर्गत पक्षों का बटवारा हो चुका है। फाट मुताबिक पक्षों को मौके पर कब्जा पूर्व में ही दिलाया जा चुका है।ह्ल लेकिन फोन पर शिकतायकर्ता से वार्ता करने पर सावित्री देवी द्वारा बताया गया कि गलत एवं भ्रामक आख्या दी गयी है। मौके पर न तो लेखपाल आये थे और न ही कोई अधिकारी आये थे। इस बात की पुष्टि किये जाने हेतु लेखपाल को कई बार फोन लगाये जाने पर भी उनके द्वारा फोन रिसीव नहीं किया गया।उक्त निस्तारण आख्या पर राजेश कुमार सिंह, राजस्व निरीक्षक, तहसील मडियाहू, द्वारा वार्ता किये जाने का उल्लेख किया गया है साथ में जी०ओ० टैगिंग फोटोग्राफ संलग्न नहीं है तथा गवाह राम शिरोमणि के मोबाइल नम्बर द्वारा वार्ता किये जाने पर उनके द्वारा बताया गया कि लेखपाल मौके पर नही आये थे, फोन करके उनकी आख्या को स्वीकार किये जाने हेतु कहा गया है।उपरोक्त से यह स्पष्ट हुआ कि तहसील मडियाहू में प्राप्त शिकायतों का सरसरी तौर पर ही निस्तारण कर दिया जा रहा है न तो कोई अधिकारी एवं कर्मचारी मौके पर जा रहे है और न ही मौके की फोटोग्राफ ही संलग्न की जा रही है, जबकि शिकायतों के निस्तारण के सम्बन्ध में पूर्व में स्पष्ट रूप से उपरोक्त निदेर्शों का कड़ाई से अनुपालन किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। उपरोक्त के अवलोकन से यह स्पष्ट हुआ की उपरोक्त कर्मचारियों द्वारा उच्चाधिकारी तथा मा० मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त निदेर्शों की जान बूझकर अवहेलना की जा रही है, जो अत्यन्त ही आपत्तिजनक है।

उक्त के क्रम में जिलाधिकारी ने लेखपाल अवधेश कुमार, राजेश कुमार सिंह, राजस्व निरीक्षक, मडियाहूँ का एक दिन का वेतन बाधित करते हुए निर्देशित किया है कि उपरोक्त के सम्बन्ध में अपना स्पष्टीकरण उप जिलाधिकारी, मडियाहू के माध्यम से 03 दिवस के अन्दर उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें और समय से स्पष्टीकरण प्राप्त नहीं होने पर सम्बन्धित के विरुद्ध एक पक्षीय रूप से कार्यवाही कर दी जायेगी।

सरिता पुर्नमतगणना में फिर निर्वाचित घोषित, विरोधी हुए चारों खाने चित

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के के सिरकोनी वार्ड 54 की पुर्नमतगणना संपन्न, सरिता पुनः एक मत से विजयी घोषित की गयी। ब्लाक के सहायक विकास अधिकारी कार्यालय में बनाये गये पुर्नमतगणना केन्द्र में मंगलवार को एडीजे प्रथम न्यायालय के निर्देश पर मतों की गिनती की गयी। जिसमें पूर्व में विजयी रही सरिता 228 मत पाकर पुनः एक वोट से विजयी रही। वहीं कोर्ट में याचिका दायर करने वाली उनकी प्रतिद्वन्दी नीतू सिंह को 227 मत मिले। इस दौरान ब्लाक परिसर में भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहे। मतों की गिनती सुबह 10 बजे के बाद शुरू की गयी। और दोपहर के 12 बजकर 30 मिनट तक गिनती पूरी कर ली गयी। पुनर्मतगणना को सम्पन्न कराने में उपजिलाधिकारी सदर संतबीर सिंह प्रभारी अधिकारी मतगणना और जलालपुर बीडीओ को सहायक प्रभारी अधिकारी मतगणना बनाया गया था।सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से सीओ केराकत सहित जलालपुर और जफराबाद थाने की भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रही। पुर्नमतगणना से संतुष्ट नही है नीतू सिंह के अभिभावक, जायेगें पुनः कोर्ट मतगणना केन्द्र पर मतों की रिकाउन्टिग करा रहे नीतू सिंह के श्वसुर कमला प्रसाद सिंह मतों की गिनती कराने पर लगे अधिकारियों की गिनती प्रणाली से असन्तुष्ट दिखे। उन्होने कहा कि कोर्ट का बाकायदा निर्देश है कि बूथ संख्या 20,21,22, में पड़े मतों की पूर्नमतगणना की जाये। लेकिन अधिकारियों द्वारा 22 बूथ संख्या में पड़ने वाले पेटी संख्या 7 तक की गणना की गयी। पेटी संख्या 8 की गणना नही की गयी। इसी बात को लेकर वह पूर्व में न्यायालय की शरण में गये थे। 44 महीना 80 तारीख, फिर भी मामला जस का तस जुलाई 2021 में वार्ड संख्या 54 कुद्दूपुर की रिकाउन्टिंग के लिये न्यायालय की शरण में गये नीतू सिंह के श्वसुर ने बताया कि फाइलों और अधिकारियों के तलब से लेकर आदेश तक कुल 44 माह का एक लम्बा समय बीत गया। इस दौरान कुल लगभग 80 तारीखें भी पड़ीं , लेकिन पुनः उसी प्रक्रिया से पुनर्मतगणना कराई गयी। मामला जो चार साल पहले था वही आज भी है।

नालासोपारा में डॉ बाबासाहेब अंबेडकर को दी गई श्रद्धांजली

वसई विरार। भाजपा जिला कार्यालय नालासोपारा पूर्व में भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित बोधिसत्व भारत रत्न एवं संविधान निर्माता डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की 134वीं जयंती के अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटील ने उपस्थित होकर डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर जिला महामंत्री अभय कक्कड़, जिला कामगार मोर्चा अध्यक्ष उदय उदय शेट्टी, सोशल मीडिया जिला सह संयोजक कल्पना नागपुर भाजपा एवं रीता धर्मेश मेहता सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दो कारों में आमने-सामने की भिड़ंत में एक की मौत

रायबरेली (उत्तरशक्ति)। रायबरेली के जगतपुर के लखनऊ प्रयागराज मार्ग पर इशौर ड्रेन के पास दो कारों की आमने-सामने टक्कर हो गई जिसमें एक युवक की मौत हो गई और 10 लोग घायल हो गए। घायलों को जगतपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद एक की हालत गंभीर होने पर उसे ट्रामा सेंटर भेजा गया।

मंगलवार को लखनऊ प्रयागराज मार्ग पर इशौर ड्रेन के पास होंडा इमेज व एक्सयूवी के बीच आमने-सामने टक्कर हो गई जिसमें होंडा इमेज के चालक विश्वजीत यादव (48) निवासी सियाराम कॉलोनी पूरे नर्सिंगभान करनपुर जिला प्रतापगढ़ की मौके पर मौत हो गई। वहीं, एक्सयूवी में सवार नायक (14) पुत्री सरफराज, ऐमन (12) पुत्र सरफराज अहमद, दान्याद (9) पुत्र सरफराज, सेमन (18) पुत्री सरफराज अहमद, निभात पत्नी सरफराज अहमद, शाइस्ता पत्नी परवेज, अफताब सिद्धकी, अहमद नबील पुत्र इकबाल, ओवैसी पुत्र सेख और अहमद सरफराज अहमद पुत्र मुस्ताक निवासीगढ़ लखनऊ घायल हो गए जिसमें स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस तथा पुलिस की मदद से जगतपुर सीएचसी लाया गया। जहां पर ऐमन की हालत गंभीर होने पर उन्हें ट्रामा सेंटर लखनऊ भेजा गया है। सीएचसी के अधीक्षक डॉ. एलपी सोनकर ने बताया कि सड़क दुर्घटना में 10 लोग घायल अवस्था में आए थे। एक की हालत गंभीर होने पर उसे ट्रामा सेंटर भेजा गया है और अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेजा गया है।

खेत में सिंचाई कर रहे पूर्व प्रधान की करंट लगने से मौत

गजरौला (उत्तरशक्ति)। खेत में सिंचाई कर रहे कुमराला निवासी पूर्व प्रधान मदन सिंह (65) की करंट लगने से मौत हो गई। करंट खेत में खड़े खंभे से पानी में उतर आया। परिजनों ने बिजली विभाग के अधिकारियों की लापरवाही से जान जाने का आरोप लगाया है। थानाक्षेत्र के गांव कुमराला निवासी किसान मदन सिंह पूर्व ग्राम प्रधान थे। उनके भतीजे नीटू सिंह ने बताया कि उनके चाचा मदन सिंह मंगलवार सुबह 7 बजे खेत में गन्ने की पौधा फसल की सिंचाई कर रहे थे। खेत में 11 हजार वोल्टेज की लाइन का खंभा खड़ा है। लोहे के इस खंभे से खेत की क्यारी में भरे पानी में करंट उतर गया। सिंचाई कर रहे मदन सिंह करंट की चपेट में आ गए। पड़ोसी खेतों में काम कर रहे ग्रामीणों के शोर मचाने पर परिजन दौड़ कर पहुंचे। किसान को उपचार के लिए नगर में निजी चिकित्सक के पास ले गए। उनको मृत घोषित कर दिया गया। इसके बाद परिजन शव सीएचसी में लाए। पुलिस को सूचना दी। परिजनों का आरोप है कि बिजली विभाग की लापरवाही से उनकी जान गई है। उन्होंने विभाग से लाइन हटवाने के लिए कई बार गुहार लगाई, लेकिन विभाग ने ध्यान नहीं दिया। उस पर पॉलीथिन भी नहीं लपेटी।सीओ श्वेताभ भास्कर ने बताया कि करंट से किसान की मौत का मामला सामने आया है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। कुमराला निवासी पूर्व ग्राम प्रधान मदन सिंह की करंट से मौत की घटना पर ग्रामीणों में रोष है। ग्रामीणों का कहना है कि उनके इलाके में 11हजार की वोल्टेज की लाइन काफी नीची है। ढीले तार ऐसे लगते हैं, जैसे सिर से लग जाएंगे। ग्रामीणों ने बिजली विभाग के अफसरों से लटके तार बदलवाने की मांग की है।

सिलिंडर में ब्लास्ट से मड़हे की छत उड़ी, एक की मौत, छह घायल

मिर्जापुर (उत्तरशक्ति)। चुनार थाना क्षेत्र के मड़फा गांव में सिलिंडर फटने से मड़हे की छत उड़ गई। इस घटना में एक की मौत और चार अन्य घायल हो गए। दो को गंभीर हालत में जिला मुख्यालय पर स्थित ट्रामा सेंटर मिर्जापुर रेफर कर दिया गया। घटना में एक पशु भी झुलस गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घटना उस समय घटी जब समर्सिबल लगाने के लिए गैस पर पाइप मोबिल लगा पाइप गर्म किया जा रहा था। पाइप में आग लगने के बाद मड़हा भी उसकी चपेट में आ गया और फिर सिलिंडर फट गया। आग बुझाने के दौरान पांच लोग चपेट में आ गए। पड़री थाना क्षेत्र के पथरहा निवासी ओम प्रकाश (45) मड़फा में जमीन लेकर भवन का निर्माण करा रहे थे। हैंडपंप में समर्सिबल लगाने को लेकर कार्य चल रहा था। बगल में ही छेंदी पटेल की झोपड़ी थी। ग्राम प्रधान सर्वजीत यादव ने बताया कि समर्सिबल में पाइप लगाने के लिए ओम प्रकाश व मजदूर पाइप में मोबिल लगाकर छेंदी पटेल के मड़हे में रखे गैस पर गर्म कर रहे थे। उसी दौरान मोबिल में लिपटे पाइप में आग लग गई फिर आग मड़हे में लग गई। लोग भागकर बाहर निकले। किसी का ध्यान मड़हे में रखे सिलिंडर पर नहीं पड़ा। मड़हे में रखा सिलिंडर गर्म होकर फट गया। जिसकी चपेट में आने से ओम प्रकाश की मौके पर मौत हो गई। तो वहीं पड़री के सागर सेमर निवासी शिवधार (65) व उमेश(25), राजगढ़ के मड़फा निवासी चौथी पाल (42), बहादुर पटेल (62), शांति देवी (55), धर्मेंद्र पटेल (24) घायल हो गईं। सभी को चुनार सीएचसी ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने ओम प्रकाश को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर अवस्था में शिवधार व चौथी को ट्रामा सेंटर मिर्जापुर रेफर कर दिया गया।

शिवचरित भारत के हर बच्चे को पढ़ाया जाए यह हम सभी का दायित्वः अमित शाह

मुंबई(उत्तरशक्ति)। छत्रपति शिवाजी महाराज की 345वीं पुण्यतिथि पर महाराष्ट्र के रायगढ़ किले में आयोजित कार्यक्रम केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने जनता को संबोधित किया। रायगढ़ किला वही पवित्र स्थल है जहां शिवाजी महाराज ने हिन्दवी स्वराज का स्वर्ण सिंहासन स्थापित किया था। इसी ऐतिहासिक धरती पर आकर गृह मंत्री ने स्वयं को अभिभूत और गौरवान्वित महसूस किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज का जीवन और आदर्श प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने यह भी आग्रह किया कि ॠशिवचरित्रॠ को भारत के प्रत्येक बच्चे को पढ़ाया जाना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियां राष्ट्रभक्ति, नेतृत्व, और स्वराज्य के मूल्यों को आत्मसात कर सकें।शिवाजी महाराज ने जाति, धर्म और भाषा से ऊपर उठकर एक समावेशी राज्य की कल्पना की थी। उनका शासन गरीबों और वंचितों के उत्थान के साथ ही स्वराज की स्थापना को समर्पित था। राष्ट्र में एकता, समानता और महिलाओं की सुरक्षा के प्रति उनकी सजगता आज भी अनुकरणीय है। शिवाजी महाराज केवल एक योद्धा ही नहीं थे, बल्कि एक महान राष्ट्रनिर्माता भी थे। उनकी युद्धनीति, नौसेना के विकास में योगदान और प्रशासनिक सुधारों ने उन्हें इतिहास में एक स्थायी स्थान दिलाया। यदि आज के युवा शिवाजी महाराज के विचारों को अपने जीवन में उतारें, तो भारत को विश्वगुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता।

महान मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्श भारत को अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाने और महाशक्ति बनने की यात्रा के लिए प्रेरित करते हैं। नरेंद्र मोदी सरकार शिवाजी महाराज के आदर्शों पर काम करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार छत्रपति शिवाजी महाराज के स्वराज्य के संकल्प को पूरा करने के लिए कार्य कर रही है। गत 10 वर्षों में देश को आत्मनिर्भर बनाने, गरीबों के उत्थान, महिलाओं के सशक्तिकरण और एक शक्तिशाली भारत के निर्माण के शिवाजी महाराज के सपनों को साकार करने की दिशा में अनेक पहल की गई है। 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' और 'वोकल फॉर लोकल' जैसी योजनाएं शिवाजी महाराज की आत्मनिर्भरता की भावना से प्रेरित हैं।शिवाजी महाराज ने मात्र 12 वर्ष की उम्र में अपने अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प से पूरे देश को स्वराज का मंत्र दिया। कुछ ही समय में उन्होंने 200 साल पुरानी मुगल हुकूमत को चकनाचूर कर दिया और देश को आजाद कराने में अपनी अहम भूमिका निभाई। आज देश के हर बच्चे को शिवाजी महाराज के आदर्शों को अपने जीवन में उतारना चाहिए, हर बच्चे को ह्यशिवचरित्रह्ण का ज्ञान होना आवश्यक है। शिवचरित्र से बच्चों में राष्ट्रभक्ति, साहस और नेतृत्व जैसे गुण विकसित होंगे, जो एक सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए आवश्यक हैं। छत्रपति शिवाजी महाराज की पुण्यतिथि न केवल उनके अदम्य साहस और त्याग को याद करने का अवसर है, बल्कि उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लेने का भी अवसर है। रायगढ़ की यह ऐतिहासिक धरती आज भी शिवाजी महाराज के स्वप्नों की गूंज से ओत-प्रोत है, जो हर भारतीय को प्रेरित करती है कि वह स्वराज्य, स्वतंत्रता और न्याय के लिए सदैव संघर्षरत रहे।गृह मंत्री के रूप में अमित शाह ने हमेशा राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक गौरव को बढ़ावा देने का कार्य किया है। चाहे वह कश्मीर से धारा 370 हटाने का ऐतिहासिक निर्णय हो या फिर देश की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में उनके प्रयास, शाह का हर कदम राष्ट्रहित को समर्पित रहा है। रायगढ़ किले पर उनके विचार न केवल शिवाजी महाराज के प्रति उनकी श्रद्धा को दर्शाते हैं, बल्कि यह भी स्पष्ट करते हैं कि वह भारत के गौरवशाली अतीत को वर्तमान और भविष्य से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। शिवचरित को पाठ्यक्रम में शामिल करना एक प्रेरणादायी आह्वान है, जो हमें सिखाता है कि हमारा इतिहास हमारी ताकत है, और इसे संजोना हमारा कर्तव्य है।

भारतीय मिशनों ने दुनिया भर में धूमधाम से मनाई आंबेडकर जयंती

मुंबई/नई दिल्ली। विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों ने भारतीय संविधान के प्रमुख निर्माताओं में से एक डॉ. बी. आर. आंबेडकर को सम्मान देते हुए धूमधाम से आंबेडकर जयंती मनाई। दुनिया भर में विभिन्न भारतीय मिशनों ने उनकी विरासत का जश्न मनाने और न्याय, समानता एवं सामाजिक सुधार में उनके स्थायी योगदान को याद करते हुए सम्मेलन और सेमिनार आयोजित किए। न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में भारतीय मिशन ने एक विशेष कार्यक्रम के साथ डॉ. आंबेडकर की 134वीं जयंती मनाई। सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री डॉ. रामदास अठावले ने ह्यसंयुक्त राष्ट्र और उसके बाहर डॉ. आंबेडकर के विजन की कालातीत अपील शीर्षक वाले कार्यक्रम में मुख्य भाषण दिया। अपने भाषण में, मंत्री ने डॉ. आंबेडकर के आदर्शों को परिवर्तनकारी कार्रवाई में लाने के लिए भारत द्वारा की गई कई पहलों पर जोर दिया।

वहीं टोक्यो में भारतीय दूतावास ने एक स्मारक कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें राजदूत सिबी जॉर्ज, दूतावास के कर्मचारी और प्रवासी भारतीयों ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की और डॉ. आंबेडकर की समानता और न्याय की स्थायी विरासत पर बात की। इसी तरह, न्यूजीलैंड में भारतीय उच्चायोग ने एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया, जहां उच्चायुक्त नीता भूषण और उनकी टीम ने डॉ. आंबेडकर द्वारा समाज के लिए किए गए कार्यों को याद किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय के सदस्यों ने हिस्सा लिया।

इसके अलावा मंगोलिया स्थित भारतीय दूतावास ने ह्यराष्ट्र निर्माण में भारत और मंगोलिया के संविधानों का योगदानह्व शीर्षक से एक सम्मेलन आयोजित करके डॉ. आंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस कार्यक्रम में भारतीय संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ और भारत-मंगोलिया राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ भी मनाई गई।

ये वैश्विक स्मरणोत्सव डॉ. आंबेडकर के प्रति गहरी श्रद्धा को दर्शाते हैं। आंबेडकर की दृष्टि और आदर्श न केवल भारत, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को भी प्रेरित करते हैं। न्याय, समानता और मानवीय गरिमा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता दुनिया भर के लोकतांत्रिक समाजों के लिए एक मार्गदर्शक प्रकाश बनी हुई है। इन श्रद्धांजलियों के माध्यम से भारत ने डॉ. आंबेडकर द्वारा समर्थित मूल्यों को बनाए रखने और उनकी कालातीत विरासत को दुनिया के साथ साझा करने के लिए अपने समर्पण की पुष्टि की है।

बाबा साहब के विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करें : रामसूरत राजभर

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद आजमगढ़ के कलेक्ट्रेट परिसर पर राज्यसभा परिषद सदस्य रामसूरत राजभर व जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल ने भारत रत्न डॉ बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को पुष्पहार अर्पित कर नमन किया। तत्पश्चात डॉ बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती राजकीय सम्मान के साथ बड़े धूमधाम से मनाई गई जिसमें राज्यसभा परिषद सदस्य रामसूरत राजभर ने कहा कि बाबा साहब के विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करें। आगे उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने सामाजिक समरसता के लिए शिक्षा के लिए अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में जो कार्य किया है वह निश्चित ही अनुकरणीय है। डॉ बाबा साहब का विविध क्षेत्र में संविधान निर्माता के रूप में योगदान अतुलनीय है। हमारा संकल्प होना चाहिए कि हमारे देश का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न हो। जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल ने कहा कि बाबा साहब की जयंती के अवसर पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत, नगर निकायों सहित सभी जगह पर बाबा साहब की जयंती मनाई गई यह जानकारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से डॉक्टर भोलानाथ चौहान ने दी है।

शिवसेना पदाधिकारी की बैठक सपन्न

नालासोपारा। नालासोपारा पूर्व कपोल स्कूल द्वारका होटल के बगल में हिंदू हृदय सम्राट, शिवसेना प्रमुख, स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे, स्वर्गीय गुरुवर आनंद दिघे, उपमुख्यमंत्री एवं शिवसेना पार्टी अध्यक्ष एकनाथ शिंदे का प्रेरक मार्गदर्शन शीतल कदम को प्राप्त हुआ। शीतल कदम ने संपर्क प्रमुख रवीन्द्र फाटक, महिला संपर्क प्रमुख भारतीताई गावकर, जिला प्रमुख पालघर श महिला गठबंधन की आयोजक निलोशा तेंदोलकर की सहमति से, श्रीमति शीतल नवीन कदम की अध्यक्षता में सभी शिवसेना महिला पदाधिकारियों की एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक को पूरे जिले से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली और सैकड़ों महिला पदाधिकारी उपस्थित रहीं। इस कार्यक्रम में नगर संयोजक, विभाग संयोजक, उप-विभाग संयोजक, शाखा संयोजक, उप-शाखा संयोजक तथा विभिन्न स्तरों पर अन्य महिला पदाधिकारी उपस्थित थीं। बैठक में शिवसेना संगठन को और मजबूत करने पर चर्चा की गई। शिवसैनिक सदस्यता बढ़ाने के उपायों, महिला सदस्यता पंजीकरण के संबंध में जानकारी तथा विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने की योजना पर गहन चर्चा हुई। इसके अलावा, पदों और पार्टी सदस्यता पर नियुक्तियां भी की गईं। उपस्थित महिला पदाधिकारियों ने एक-दूसरे के साथ सौहार्दपूर्ण बातचीत की तथा संगठनात्मक दृष्टिकोण से अपने अनुभव साझा किए। इससे पदाधिकारियों को अपनी-अपनी जिम्मेदारियों और भूमिकाओं के बारे में स्पष्टता मिली।

पीएम मोदी सीएसए में करेंगे जनसभा

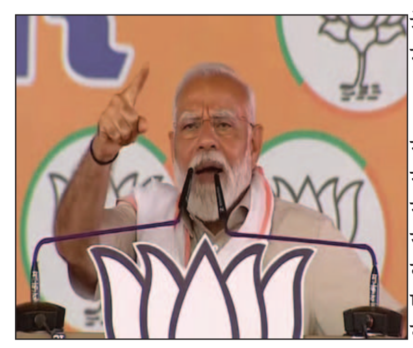

कानपुर (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कानपुर में 24 अप्रैल को दौरा प्रस्तावित है। वह चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय (सीएसए) के मैदान में जनसभा को संबोधित कर सकते हैं। इसकी तैयारियां शुरू हो गईं हैं। तैयारियों को परखने के लिए 16 या 17 अप्रैल को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शहर आ सकते हैं। सीएम अधिकारियों संग परियोजनाओं और तैयारियों की समीक्षा बैठक करेंगे।

इसकी तैयारियां तेजी से चल रही हैं। सोमवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने नयागंज स्थित मेट्रो स्टेशन का निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री नयागंज से गीतानगर स्टेशन तक मेट्रो में भी सफर कर सकते हैं। प्रधानमंत्री यहां प्रदेश के 250 विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। इसके लिए विभागों की लिस्ट भी तैयार की जा रही है। डीएम ने अधिकारियों के साथ बैठक कर परियोजनाओं की जानकारी भी ली है। उधर, पुलिस-प्रशासन के साथ ही भाजपा पदाधिकारियों ने भी तैयारियां तेज कर दी हैं। पहले निरालानगर स्थित रेलवे ग्राउंड पर जनसभा की तैयारी की जा रही थी, लेकिन अब सीएसए में जनसभा की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। पंडाल बनाने के लिए सीएसए मैदान में सामान उतर चुका है। देर रात एडीएम सिटी डॉ. राजेश कुमार ने मैदान का जायजा लिया। प्रधानमंत्री का चॉपर पहले चकेरी एयरपोर्ट उतरेगा। वहां से वह चॉपर से ही सीएसए पहुंचेंगे। यहां से कार से नयागंज मेट्रो स्टेशन पहुंचेंगे। मेट्रो ट्रेन में बैठकर गीतानगर मेट्रो स्टेशन जाएंगे। वहां से कार्यक्रम स्थल सीएसए पहुंचकर जनसभा को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री नवनिर्मित पनकी और नेयवेली पावर प्लांट घाटमपुर का लोकार्पण करेंगे। जनसभा स्थल से ऑनलाइन लोकार्पण किया जाएगा।

ठाणे सीपीसीए ने किया पेप्पी एंड जिंजर विंग का अनावरण

ठाणे। ठाणे कम्युनिटी फॉर द प्रोटेक्शन एंड केयर ऑफ एनिमल्स (ठाणे सीपीसीए) ने अपने नवीनतम केंद्र, पेप्पी एंड जिंजर विंग (पीजीडब्लू) का 9 अप्रैल, 2025 को उद्घाटन किया। ये आयोजन प्रतिष्ठित सामुदायिक नेताओं, प्रतिष्ठित पेशेवरों और पशु कल्याण के प्रति उत्साही समर्थकों की मौजूदगी में हुआ। पेप्पी एंड जिंजर विंग, ठाणे सीपीसीए के मौजूदा सेंटर का विस्तार है, जिसमें विशेष एक्स-रे स्कैनिंग, आधुनिक सर्जिकल सुइट और बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) सहित उन्नत निदान संबंधी उपकरण शामिल हैं। ये सेंटर उत्कृष्ट पशु देखभाल प्रदान करने के अपने मिशन को और सशक्त बनाता है। पीजीडब्ल्यू में सुरक्षा और कार्यक्षमता सुनिश्चित करने में एचआर जॉनसन के अभिनव टाइलिंग तकनीक का महत्वपूर्ण रोल हैं। एक्स-रे स्कैनिंग क्षेत्र में, विकिरण जोखिम से प्रभावी सुरक्षा प्रदान करने के लिए एचएंडआर जॉनसन की रेडिएशन शील्डिंग टाइल्स (आरएसटी) लगाई गई हैं।

ठाणे सीपीसीए की संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला मजूमदार ने बताया, मैं 1994 से पशु कल्याण के लिए काम कर रही हूं। । ठाणे सीपीसीए की शुरूआत 1 अप्रैल, 2005 को एक उदार परोपकारी व्यक्तित्व नानजीभाई ठक्कर द्वारा पशुओं के लिए इस्तेमाल की जाने वाली जमीन पर हुई थी। हमने कई सालों तक अधिकारियों से ऐसी जगह देने की अपील की, जहाँ जानवरों को सड़कों पर तड़पने के बजाय मरने की जगह सम्मानजनक विदाई के लिए स्थान मिले, लेकिन अधिकारियों की अधिकारियों की चुनौतियों और प्राथमिकताओं की वजह से हमें कोई सहायता नहीं मिली। फिर भी, हमारे ट्रस्टियों, स्वयंसेवकों और डॉक्टरों के सहयोग से, हमने ठाणे में जानवरों को बचाया, उनका पुनर्वास किया और उन्हें दूसरे स्थानों पर भेजा, निजी व्यक्तियों और पशु प्रेमियों

पर्यावरणविद् और पशु प्रेमी श्रीमती प्रिया सिंह अग्रवाल ने कहा, मैं ठाणे सीपीसीए, इसके ट्रस्टियों और श्रीमती शकुंतला मजूमदार के अथक प्रयासों से वाकई प्रेरित हूँ। जानवरों को बचाने और उन्हें ठीक करने के लिए उनका निस्वार्थ कार्य असाधारण है। पेप्पी और जिंजर विंग एक दयालु दुनिया के लिए उनके दृष्टिकोण का उदाहरण है।

ठाणे सीपीसीए के ट्रस्टी देबाशीष मजूमदार ने कहा, पीजीडब्ल्यू जानवरों के लिए एक दयालु दुनिया बनाने के हमारे संकल्प को मजबूत करता है। मैं इस माइलस्टोन को हासिल करने में हमारे समुदाय के समर्थन से अभिभूत हूं। आइए हम सब मिलकर इस यात्रा को जारी रखें - सहानुभूति दिखाएं, उनके उद्देश्य की वकालत करें और प्रत्येक अनमोल जीवन की रक्षा के लिए आपात स्थिति में ठाणे सीपीसीए पर भरोसा करें।

नीलगाय ने बाइक को मारी टक्कर, दुर्घटना में हुई मौत

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। बिलरियागंज थाना क्षेत्र के नसीरपुर के पास नील गाय की टक्कर से शहर के एक प्रमुख कारोबारी की मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद शहर में शोक की लहर दौड़ गई। घटना के समय वे बुलेट से बिलरियागंज क्षेत्र से घर लौट रहे थे। शहर के पुरानी सब्जी मंडी गुरुटोला निवासी 38 वर्षीय अनुराग अग्रवाल पुत्र स्वर्गीय दिनेश अग्रवाल नगर के प्रतिष्ठित व्यवसाई थे। हैंडलूम और डेकोरेशन सम्बन्धित कारोबार से जुड़े थे। इसके साथ ही उनके द्वारा रेस्टोरेंट और मिठाई का कारोबार भी किया जाता था। सोमवार की दोपहर में वह किसी कार्य से बुलेट से बिलरियागंज गए थे । शाम करीब 3:30 बजे घर लौट रहे थे। तभी नसीरपुर के पास रोड पार कर रहे नील गाय से बाइक की टक्कर हो गई। जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। शहर के मड़या स्थित एक निजी अस्पताल में उन्हें भर्ती कराया गया। था, जहां रात करीब नौ बजे उनका निधन हो गया। निधन की खबर लगते ही शहर के कारोबारी अस्पताल पहुंच गए। देर रात तक शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लगा रहा।

चंदौली के कलेक्ट्रेट परिसर को बम से उड़ाने की मिली धमकी, अलर्ट पर जिला

चंदौलीउत्तरशक्ति)। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट परिसर को मंगलवार को मेल के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी की जानकारी मिलते ही प्रशासनिक हल्के में खलबली मच गई। तत्काल कलेक्ट्रेट पहुंची बम स्क्वाड टीम सहित बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों ने पूरे परिसर को खंगाल डाला।हालांकि कोई भी संदिग्ध वस्तु प्राप्त नहीं हुई। जिलाधिकारी कार्यालय के आधिकारिक ईमेल पर मंगलवार की सुबह एक धमकी भरा मेल प्राप्त हुआ। इसमें साफ तौर पर कार्यालय को बम से उड़ाने की बात कही गई है। इस मेल के सामने आते ही जिला प्रशासन और पुलिस महकमे में खलबली मच गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत अलर्ट जारी कर दिया गया। आनन-फानन में पुलिस फोर्स, बम स्क्वॉड और खुफिया एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं। जिलाधिकारी कार्यालय के कोने-कोने की गहनता से जांच पड़ताल की गई, लेकिन कोई भी संदिग्ध वस्तु प्राप्त नहीं हुई। धमकी ने जिले की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही कि मेल महज शरारत है या किसी बड़ी साजिश की कड़ी। चंदौली ।जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने बताया कि तमिलनाडु के रहने वाले गोपाल स्वामी नामक व्यक्ति ने मेल के माध्यम से सूचित किया कि मंगलवार को कलेक्ट्रेट को बम से उड़ाया जा सकता है। इस पर सतर्कता बरतते हुए पुलिस अधीक्षक की मदद से बम निरोधक दस्ता ने मौके पर पहुंचकर पूरे कलेक्ट्रेट परिसर की गहनता से जांच की। निखिल टीकाराम फुंडे, जिलाधिकारी ने बताया कि मेल करने वाले भाषा से लग रहा कि यह परेशान करने की नीयत से किया गया है। उसने तमिलनाडु के राजनीतिक मुद्दे को लेकर इस तरह के मेल करने की बात मेल में लिखी थी। बहरहाल कलेक्ट्रेट की गहनता से जांच कराई गई तो कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

हनुमान जन्मोत्सव पर भव्य कार्यक्रम हुआ

जौनपुर। जौनपुर के मछलीशहर क्षेत्र के अंतर्गत गोहका गांव स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर पर हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में श्री हनुमान मंदिर चेरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे जिले भर से तमाम संभ्रांत लोगों का आना जाना लगा रहा।सुबह से ही अखंड रामायण पाठ प्रारंभ हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में भक्त जन शामिल हुए।यह कार्यक्रम पिछले 30 वर्षों से आयोजित होता आ रहा है।कार्यक्रम के अंत में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में भक्तजनों ने प्रसाद ग्रहण किया।इस जन्मोत्सव कार्यक्रम में जिले के प्रसिद्ध समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह, पूर्व विधायक केराकत दिनेश चौधरी,भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. अजय कुमार सिंह, अंकुर पाठक,स्कंद पटेल, व्यवसाई आशीष शुक्ल, सोशल मीडिया प्रभारी स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज आशीष तिवारी,विनय तिवारी, संतोष मिश्र, मंडल अध्यक्ष मुकेश सिंह, साहब दुबे, ग्राम प्रधान सर्वेश शुक्ल, राजकुमार तिवारी, ध्रुव तिवारी, जेपी मिश्र, रत्नेश दुबे, पत्रकार जे एन ओझा सहित तमाम गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। कार्यक्रम आयोजक भाजपा नेता इंद्रेश तिवारी संयोजक आशीष तिवारी ने सभी भक्तजनों का स्वागत,अभिनंदन किया।

हसीना और बेटे पर कोर्ट का प्रहार, बांग्लादेश लौटे बिना ही गिरफ्तारी की तलवार

ढाका। बांग्लादेश की एक अदालत ने मंगलवार को राजधानी के बाहरी इलाके में आवासीय भूखंडों के आवंटन में कथित अनियमितताओं से संबंधित दो मामलों में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना, उनके बेटे सजीब वाजेद और 16 अन्य के खिलाफ नया गिरफ्तारी वारंट जारी किया। अदालत के एक अधिकारी ने कहा, ढाका मेट्रोपॉलिटन वरिष्ठ विशेष न्यायाधीश की अदालत ने भ्रष्टाचार निरोधक आयोग के आरोपपत्रों को ध्यान में रखते हुए पूर्वाचल न्यू टाउन में भूखंड आवंटन में अनियमितताओं के दो मामलों में वारंट जारी किए हैं।" अभियोजन पक्ष के वकील के अनुसार, अधिकतर आरोपी सरकारी अधिकारी थे। अदालत ने पुलिस को आदेश दिया कि वह स्व-निर्वासित पूर्व प्रधानमंत्री और अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है तो 29 अप्रैल को रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। अधिकारी ने बताया कि न्यायाधीश जाकिर हुसैन ने ढाका और देश के अन्य भागों में एक दर्जन से अधिक थानों के प्रभारी अधिकारियों को संबंधित तिथि तक अपने आदेश के क्रियान्वयन पर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

इसी अदालत ने इससे पहले हसीना, उनकी बेटी साइमा वाजेद पुतुल, उनकी बहन शेख रेहाना, ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप रिजवाना सिद्दीक, रेहाना के बेटे रादवान मुजीब सिद्दीक और 48 अन्य के खिलाफ राजनीतिक सत्ता का दुरुपयोग कर कथित अवैध भूमि आवंटन के सिलसिले में गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। पिछले साल पांच अगस्त को छात्रों के नेतृत्व में हुए हिंसक विद्रोह में हसीना की 16 साल पुरानी अवामी लीग सरकार अपदस्थ हो गई थी। तब से 77 वर्षीय हसीना भारत में रह रही हैं।

'इश्क का बीमा'! मिलेगा इतना पैसा कि हो जाएंगे मालामाल

पंजाब । हैल्थ, लाइफ और कार के बाद अब रिलेशनशिप बीमा भी शुरू हो गया है। सुनने में अजीब लगने वाले इस बीमे को लेकर सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में एक व्यक्ति 'रिलेशनशिप इंश्योरेंस पॉलिसी' बेच रहा है। वहीं इस पॉलिसी को लेकर लोग हैरान है। आपको बता दें कि ये बीमा पॉलिसी एक स्टार्टअप वेबसाइट द्वारा लॉन्च की गई है। इसे दुनिया की पहली ऐसी बीमा पॉलिसी बताया जा रहा है। इस पॉलिसी को खरीदने वाले कपल को 5 वर्षों तक एक निश्चित प्रीमियम का भुगतान करना होगा। इस दौरान अगर उनका रिश्ता सफल रहा और वे इन 5 वर्षों के अंदर शादी कर लेते हैं, तो उन्हें निवेश पर 10 गुना रिटर्न मिलेगा। वहीं अगर ब्रेकअप हो जाता है तो कपल को दर्द के अलावा कुछ भी नहीं मिलेगा। इसके साथ ही इस बीमे को सोशल मीडिया पर लोगों से अलग-अलग प्रतिक्रिया मिल रही है। कुछ लोगों ने कहा कि ये मजेदार और यूनीक आईडिया है और लोगों को लॉग टर्म रिलेशन को प्रोत्साहित करता है। वहीं कुछ लोगों ने इसे रिश्तों का जुआ और कमर्शियल ड्रामा बताया।

मछली पालन कैसे बनाएं अधिक लाभकारी? विभाग ने जारी की खास एडवाइजरी

पटना। मत्स्य पालन को अधिक लाभकारी और वैज्ञानिक ढंग से संचालित करने के लिए निदेशक मत्स्य पटना , बिहार ने प्रदेश के सभी मत्स्य पालकों से अप्रैल माह में विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि गर्मी की शुरूआत के साथ तालाबों की साफ-सफाई अत्यंत आवश्यक हो जाती है, जिससे मछलियों को स्वच्छ वातावरण मिल सके। मछलियों की उचित देखभाल करते हुए तालाब में ऑक्सीजन की मात्रा बनाए रखने के उपाय किए जाएं, ताकि उनके विकास में कोई बाधा न आए। निदेशक ने कहा कि मछलियों के प्राकृतिक भोजन की जांच अवश्य करें। इन प्रक्रियाओं से न केवल मछलियों का स्वास्थ्य बेहतर होगा, बल्कि उत्पादन क्षमता में भी वृद्धि होगी। मत्स्य विभाग द्वारा समय-समय पर दिए गए इन निर्देशों का पालन करके मत्स्य पालक बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मछली पालन के लिए अप्रैल का महीना बेहद महत्वपूर्ण समय होता है। इस महीने में तापमान बढ़ने के कारण पानी की गुणवत्ता में बदलाव आता है। ऐसे में उत्पादन बढ़ाने और नुकसान से बचने के लिए मछली पालकों को पानी की गुणवत्ता, आहार प्रबंधन और रोग नियंत्रण पर विशेष तौर पर ध्यान देने की जरूरत है। निदेशक ने कहा मत्स्य पालकों के लिए पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग ने एक एडवाइजरी भी जारी की है। इसमें कहा गया है कि अप्रैल महीने में मछली पालन के लिए उपयुक्त स्थान का चयन करें। पुराने तालाबों की मरम्मत या सफाई करें और नए तालाबों का निर्माण कार्य शुरू करें। हैचरी में ग्रास कार्प मछली के बीज उत्पादन की प्रक्रिया शुरू करें।

48वें इंडिया कार्पेट एक्सपो के दुसरे दिन खूब निकली बिकवाली व पूछपरख

* अब 195 खरीदारों ने कराया पंजीकरण

* कैबिनेट मंत्री राकेश सचान व अनिल राजभर ने कालीन मेले का अवलोकन किया तथा मेले की व्यवस्था और रंग विरंगी कालीनो की की सराहना की

* मंत्रीद्वय ने कहा कि इस कालीन मेले से कालीन उद्योग से जुड़े हर तबके के लोगों को लाभ मिलेगा

-सुरेश गांधी

वाराणसी। भारत मंडप्पन, नई दिल्ली में कालीन निर्यात संवर्धन परिषद द्वारा आयोजित इंडिया कार्पेट एक्सपो के 48वें संस्करण के दुसरे दिन मंगलवार को खरीदारों ने खूब बिकवाली व पूछ परख की। खास यह है कि दुनिया भर से एक्सपो में लोगों में अब तक 195 विदेशी खरीदारों और 125 विदेशी खरीददारों के प्रतिनिधियों से अपनी प्रतिक्रिया दी है। इसमे मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी बेल्जियम, ब्राजील, बुल्गारिया, कनाडा, इजिप्ट, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, कजाकिस्तान, स्विट्जलैंड, ताइवान, टर्की, यूएसए, जैसे देश शामिल है। कालीन मेले के दूसरे दिन सांसद एवं राज्यसभा सदस्य अरुण कुमार सिंह, कैबिनेट मंत्री एमएसएमई, खादी, ग्रामोद्योग, रेशम उत्पादन, कपड़ा मंत्रालय, उत्तर प्रदेश राकेश सचान व मंत्री श्रम एवं सेवायोजन, समन्वय विभाग उत्तर प्रदेश अनिल राजभर ने कालीन मेले का अवलोकन किया तथा मेले की व्यवस्था और रंग विरंगी कालीनो की की सराहना की। मंत्रीद्वय ने कहा कि इस कालीन मेले से कालीन उद्योग से जुड़े हर तबके के लोगों को लाभ मिलेगा। कालीन मेले के आयोजन से कालीन उद्योग को एक नई दिशा मिलेगी। इस दौरान उन्होंने समस्त आयातकों एवं निर्यातकों को मेले की सफलता पर शुभकामनाएं भी दी।

सीईपीसी अध्यक्ष कुलदीप राज वट्टल ने बताया कि मेले में भाग लेने वाले सदस्यों से प्राप्त प्रतिक्रिया के अनुसार भागीदार तथा एक्सपो में आने वाले विदेशी खरीददारों के साथ उनकी बातचीत के अनुसार खरीदार बहुत खुश थे और अंतरराष्ट्रीय स्तर का ऐसा मंच प्रदान करने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। इस कालीन मेले का उद्देश्य अत्यधिक श्रम प्रधान भारतीय हस्तनिर्मित कालीन उद्योग पर ध्यान केंद्रित करना और ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े लगभग 20 लाख श्रमिकों व कारीगरों विशेषकर महिलाओं को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्रदान करना है। इंडिया कारपेट एक्सपो एशिया में सबसे बड़े हस्तनिर्मित कालीन मेलों में से एक है, जिसमें खरीदारों के लिए एक छत के नीचे सबसे अच्छे हस्तनिर्मित कालीन, गलीचे और अन्य फर्श कवरिंग के लिए एक अनूठा मंच मिलता है। सीईपीसी अध्यक्ष कुलदीप राज वट्टल तथा प्रशासनिक समिति सदस्य अनिल कुमार सिंह, वासिफ अंसारी, असलम महबूब, इम्तियाज अहमद, रोहित गुप्ता, पियूष बरनवाल, हुसैन जफर हुसैनी, संजय गुप्ता, शेख आशिक अहमद, महावीर प्रताप शर्मा, बोधराज मल्होत्रा, मेहराज यासीन, शौकत खान तथा डाक्टर स्मिता नागरकोटी अधिशासी निदेशक एवं सचिव, सीईपीसी सहित सभी लोग इस एक्सपो से काफी प्रसन्न थे। अध्यक्ष कुलदीप राज वट्टल ने कहा कि मेले की सफलता उसमे आने वाले विदेशी आयातकों व उनके प्रतिनिधिओ द्वारा प्रतिभागी निर्यातको के साथ हुए व्यापार पर निर्भर करती है। अब तक प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतिभागी निर्यातक मेले की दो दिनों के व्यापार से काफी खुश है और सीईपीसी अध्यक्ष ने को उम्मीद की यह मेला एक सफल मेला साबित होगा।

मगध डिवीजन फाइनल में डीएवी कैंट गया की टीम ने मारी बाजी

गया। बिहार में शिक्षा और खेल के संगम का अद्भुत उदाहरण बन चुका मुख्यमंत्री खेल ज्ञानोत्सव 2025 अब अपने निर्णायक चरण की ओर बढ़ रहा है। मंगलवार को गया में आयोजित मगध प्रमंडलीय फाइनल में डीएवी पब्लिक स्कूल, कैंट एरिया, गया की टीम ने अपनी सूझबूझ, ज्ञान और दमदार प्रदर्शन से सबको पीछे छोड़ते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में गया, नवादा, औरंगाबाद, जहानाबाद और अरवल जिलों से चुनी गई 12 बेहतरीन टीमों ने हिस्सा लिया। पहले लिखित परीक्षा और फिर मंच पर हुए रोमांचक राउंड्स में छात्रों ने अपनी बौद्धिक क्षमता और टीम वर्क का प्रदर्शन किया। अब ये टीमें राज्य स्तरीय ग्रैंड फिनाले में भाग लेंगी, जो गुरुवार को पटना के पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित होगा। इससे पहले बुधवार को अंतिम प्रमंडल राउंड पटना डिवीजन के लिए एसके मेमोरियल हॉल, गांधी मैदान में आयोजित होगा।

एयरटेल ने ब्लिंकिट के साथ की साझेदारी, ग्राहकों को सिर्फ 10 मिनट में घर पर मिल सकेंगे सिम कार्ड

मुंबई। भारती एयरटेल ने आज एक अग्रणी कदम उठाते हुए मुंबई में अपने ग्राहकों को दस मिनट के भीतर सिम कार्ड की डिलीवरी के लिए क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म ब्लिंकिट के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की। किसी टेलीकॉम कंपनी द्वारा प्रदान की जाने वाली अपनी तरह की यह पहली सेवा अब तक देश के 16 शहरों में शुरू हो चुकी हैं। आने वाले समय में इस सेवा के अंतर्गत अन्य शहरों तथा कस्बों को जोड़ने की योजना है। यह साझेदारी एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, क्योंकि यह ग्राहकों को ₹49 के मामूली सुविधा शुल्क पर केवल 10 मिनट में उनके घर पर सिम कार्ड प्राप्त करने की सुविधा देती है। सिम कार्ड की डिलीवरी के बाद, ग्राहक आधार-आधारित केवाईसी प्रमाणीकरण के माध्यम से एक सरल एक्टिवेशन प्रक्रिया द्वारा नंबर को चालू कर सकते हैं। ग्राहकों के पास पोस्टपेड और प्रीपेड दोनों योजनाओं में से चुनने या एयरटेल नेटवर्क में पोर्ट करने के लिए एमएनपी ट्रिगर करने का विकल्प होगा। प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए, ग्राहक ऑनलाइन लिंक पर जाकर सहज एक्टिवेशन अनुभव के लिए एक्टिवेशन वीडियो भी देख सकते हैं। इसके अतिरिक्त, ऐसे सभी एक्टिवेशन के लिए, एयरटेल ग्राहकों के पास एयरटेल थैंक्स ऐप के माध्यम से सहायता केंद्र तक पहुँचने का विकल्प है , यदि उन्हें किसी भी तरह की सहायता की आवश्यकता हो। नए ग्राहक किसी प्रकार की सहायता की आवश्यकता होने पर 9810012345 नम्बर पर सम्पर्क कर सकते हैं। सिम कार्ड की डिलीवरी के बाद, ग्राहकों के लिए 15 दिनों के भीतर सिम को एक्टिवेट करना अनिवार्य होगा, ताकि एक सहज और परेशानी मुक्त ट्रांज़िशन सुनिश्चित हो सके। भारती एयरटेल के कनेक्टेड होम्स के सीईओ और मार्केटिंग निदेशक सिद्धार्थ शर्मा ने इस साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए कहा, "एयरटेल में हमारे हर कार्य का लक्ष्य ग्राहकों के जीवन को सरल बनाना है। आज हम 16 शहरों में ग्राहकों के घरों में 10 मिनट की सिम कार्ड डिलीवरी के लिए ब्लिंकिट के साथ साझेदारी करके रोमांचित हैं। आने वाले समय में हम इस साझेदारी को दूसरे शहरों में भी विस्तारित करने की योजना बना रहे हैं।" ब्लिंकिट के संस्थापक और सीईओ अलबिंदर ढींडसा ने कहा, ग्राहकों का समय और उन्हें परेशानी बचाने के लिए, हमने एयरटेल के साथ मिलकर चुनिंदा शहरों में ग्राहकों को सीधे सिम कार्ड डिलीवर करने के लिए साझेदारी की है, जिसकी डिलीवरी सिर्फ. 10 मिनट में होगी। ब्लिंकिट डिलीवरी का काम देखेगी, जबकि एयरटेल ग्राहकों के लिए सेल्फ-केवाईसी पूरा करने, अपना सिम एक्टिवेट करने और प्रीपेड या पोस्टपेड प्लान में से चुनना आसान बनाने का काम करेगी।

बिहार में बागवानी को मिलेगा बड़ा बढ़ावा, सरकार दे रही है 80 प्रतिशत तक अनुदान

पटना। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री-सह-कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बताया कि राज्य में एकीकृत बागवानी विकास मिशन के अंतर्गत फलदार वृक्षों की खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस योजना के तहत किसानों को आम और लीची की खेती के लिए 50 प्रतिशत तक तथा केला और पपीता के लिए 75 प्रतिशत तक अनुदान प्रदान किया जा रहा है। इससे राज्य में बागवानी क्षेत्र का विस्तार होगा और किसानों को फलों की खेती से अधिक लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी माइक्रो इरिगेशन तकनीकों को अपनाने वाले किसानों को 80 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है। यह तकनीक न केवल जल उपयोग की दक्षता को बढ़ाती है, बल्कि इससे फसल की गुणवत्ता और उत्पादकता में भी सुधार होता है। इस योजना से खेती की लागत कम होगी और अधिक लाभ प्राप्त होगा। इन दोनों योजनाओं का उद्देश्य केवल उत्पादन बढ़ाना नहीं है, बल्कि किसानों की आय को दोगुना करना, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार को बढ़ावा देना और बेरोजगार युवाओं को आधुनिक कृषि पद्धतियों से जोड़ना भी है। साथ ही सरकार द्वारा बागवानी और सिंचाई तकनीकों में तकनीकी प्रशिक्षण की भी व्यवस्था की गई है ताकि किसान वैज्ञानिक तरीकों से खेती कर सकें।

उन्होंने कहा कि एकीकृत बागवानी मिशन के तहत आम और लीची की खेती के लिए प्रति हेक्टेयर कुल 2 लाख रुपए की लागत आती है, जिसमें किसानों को 50 प्रतिशत का अनुदान दिया जाता है। केला और पपीता की खेती में प्रति हेक्टेयर 60 हजार रुपए की लागत आती है, जिसमें किसानों को 75 प्रतिशत का अनुदान दिया जाता है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में बागवानी एक प्रभावशाली माध्यम बन सकता है। फलदार वृक्षों की खेती से किसानों को पारंपरिक फसलों की तुलना में अधिक लाभ प्राप्त होता है। बाजार में फलों की निरंतर मांग, बेहतर मूल्य और प्रसंस्करण की संभावनाएं बागवानी को आयवर्धक बनाती हैं। सरकार द्वारा अनुदान, तकनीकी प्रशिक्षण और माइक्रो इरिगेशन जैसी आधुनिक सुविधाएं किसानों को बागवानी की ओर आकर्षित कर रही हैं। इससे न केवल उनकी आय में वृद्धि होती है, बल्कि जल-संसाधनों का संरक्षण और रोजगार सृजन भी संभव होता है। अतः बागवानी किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण की कुंजी बन सकती है।इन पहलों के माध्यम से बिहार को फल उत्पादन एवं निर्यात के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाया जाएगा। यह कदम किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक सिद्ध होगा।

साहिबगंज में 4.12 लाख के जाली नोट के साथ 3 तस्कर गिरफ्तार, पुलिस ने दबोचा

राची। झारखंड के साहिबगंज में रेलवे पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जाली नोटों की बड़ी खेप बरामद की है। साथ ही तीन तस्करों को गिरफ्तार किया।

जानकारी के मुताबिक, रेलवे पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ लोग जाली करंसी के साथ बरहरवा स्टेशन पर पहुंच रहे है। वहीं रेलवे पुलिस ने उक्त सूचना के आलोक में कार्रवाई करते हुए रेलवे स्टेशन पर सघन छापेमारी अभियान शुरू किया। वहीं रेलवे पुलिस ने इस दौरान दो लोगों को 4 लाख 12 हजार रुपए की जाली करंसी के साथ पकड़ा। सभी नोट 500-500 रुपये के हैं। गिरफ्तार तस्करों की पहचान तीर्थ सिंह और इंद्रप्रीत सिंह के रूप में हुई है जो कि पंजाब के रहने वाले है। वहीं पुलिस पूछताछ में दोनों गिरफ्तार तस्करों ने इस धंधे में शामिल एक और शख्स का नाम बताया। जिसके बाद पुलिस द्वारा बरहरवा निवासी कालू घोष को भी गिरफ्तार किया गया। फिलहाल पुलिस तीनों तस्करों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई में गहनता से जुट गई। वहीं पुलिस इस धंधे में संलिप्त अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। बताया जा रहा है कि तस्करों द्वारा जाली करंसी को अन्य राज्यों में खपाने की योजना थी।

सांप ने युवक को 10 बार डसा...मौत के बाद भी नहीं छोड़ा, रातभर बैठा रहा शव के नीचे

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ से एक रौंगटे खड़े करने वाला मामला सामने आया है। यहां पर एक सांप 25 साल के युवक के पीछे ऐसे पड़ा कि उसे 10 बार डसा, जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई। हैरानी की बात तो ये है कि 10 बार डसने के बाद भी सांप युवक के शव के पास बैठा रहा। सुबह जब परिजनों ने मंजर देखा तो उनके होश उड़ गए और परिजनों में कोहराम मच गया। यह घटना जिले के बहसूमा थाना इलाके के अकबरपुर सादात गांव की है। यहां के एक निवासी अमित (25) मजदूरी करता था। शनिवार को भी काम पर गया और शाम को घर आकर हर रोज की तरह खाना खाया और अपने कमरे में जाकर सो गया। लेकिन, उसे ये नहीं पता था कि आज के बाद वह कभी नहीं उठेगा, कमरे में उसकी मौत उसका इंतजार कर रही थी। सुबह जब परिजन उसे जगाने पहुंचे तो युवक की मौत हो चुकी थी। शव को हिलाने पर उसके नीचे सांप बैठा हुआ था। परिजनों ने सांप को पकड़ा और युवक को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। उसके शरीर पर 10 निशान थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पता चला कि उसे सांप ने 10 बार डसा। बताया जा रहा है कि सांप उसके शव के नीचे साारी रात बैठा रहा। अमित अपने चार भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर था और उसके 3 छोटे बच्चे हैं. इस घटना से गांव में शोक की लहर छा गई।

माता-पिता ने नाबालिग बेटी को 5 लाख में बेचा, खरीदार ने किया रेप

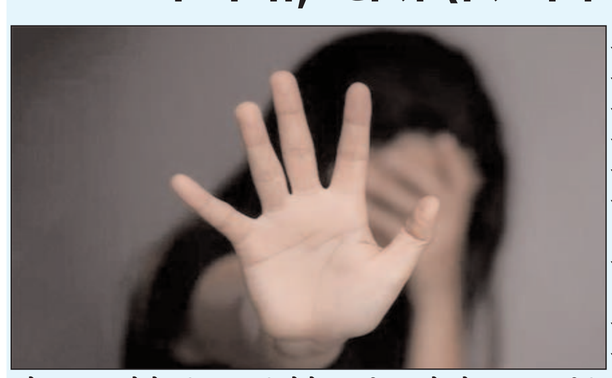

कौशांबी। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले के करारी थाना क्षेत्र में एक दलित नाबालिग किशोरी को उसके ही मां-बाप ने एटा जनपद निवासी एक व्यक्ति को पांच लाख रुपये में बेच दिया और उस व्यक्ति ने किशोरी से दो दिनों तक दुष्कर्म किया। कौशांबी के पुलिस क्षेत्राधिकारी अभिषेक सिंह ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि करारी थाना क्षेत्र की एक दलित नाबालिग किशोरी ने प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उसके माता-पिता ने उसे किसी व्यक्ति को पांच लाख में बेच दिया था। जिले के करारी थाना क्षेत्र के एक गांव की निवासी 13 वर्षीय दलित किशोरी ने करारी थाने में 13 अप्रैल, 2025 की शाम को दी गई तहरीर में बताया कि कमलेश पासी एटा जनपद के एक व्यक्ति को लेकर उसके घर आता था। पीड़िता ने बताया कि गत 14 मार्च को भी कमलेश पासी एटा के उस व्यक्ति को लेकर उसके घर आया था। तहरीर के मुताबिक, 14 मार्च को शाम करीब 7:00 बजे किशोरी के माता-पिता ने उसे खाना खिलाया जिसके बाद उसे नींद और चक्कर आने लगे और जब नींद खुली तो किशोरी एटा जनपद के निवासी उस व्यक्ति के घर पर थी। किशोरी ने उस व्यक्ति से पूछा कि वह यहां कैसे आ गई, तो उस व्यक्ति ने कहा, मैंने तुम्हारे मां-बाप को पांच लाख देकर तुम्हें खरीदा है।" किशोरी ने वहां से भागने की कोशिश की तो उस व्यक्ति ने उसे बंधक बना लिया और उससे दो दिनों तक जबरदस्ती दुष्कर्म करता रहा। लेकिन किशोरी 16 मार्च को मौका पाकर रात तीन बजे दीवार फांदकर भाग निकली और किसी तरह अलीगंज स्टेशन से ट्रेन पकड़ कर कौशांबी जनपद के भरवारी रेलवे स्टेशन पर उतरी। घर पहुंचने पर उसके मां-बाप ने उसे घर में घुसने नहीं दिया और कहा कि उस व्यक्ति के पास लौट जाओ क्योंकि उन्होंने उससे पांच लाख रुपये लिए हैं। इसके बाद मारपीट कर किशोरी को घर से भगा दिया। इसके बाद पीड़िता जिले के मंझनपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी अपने फूफा के घर गई और उन्हें सारी बात बताई। अभिषेक सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर करारी थाना में पीड़िता के माता-पिता, एटा निवासी उस व्यक्ति और करारी थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति सहित चार लोगों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में अभियोग दर्ज किया गया है।

कैंसर पीड़ित महिला के लिए रेड क्रॉस सोसायटी राजनांदगांव ने बढ़ाया मदद का हाथ, 50 हजार रु. की सहायता राशि की प्रदान

राजनांदगांव। कलेक्टर एवं अध्यक्ष भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी शाखा राजनांदगांव संजय अग्रवाल के निदेर्शानुसार राजनांदगांव शहर की नंदई निवासी कैंसर पीड़ित ललिता यादव को 50 हजार रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा सह सचिव रेड क्रॉस सोसायटी डॉ. नेतराम नवरतन ने बताया कि ललिता यादव घर-घर जाकर चौका बर्तन का काम करती है। उन्हें मुंह व गले में कैंसर है। संजीवनी रायपुर में इलाज चल रहा है, इनके इलाज में लगभग 5-6 लाख रूप्ए का खर्च होगा। इनके परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। साथ ही इनके तीन छोटे-छोटे बच्चे है। ललिता यादव के पति रामजी यादव लेबर व हमाली का काम करते है। रिश्तेदार, आस-पड़ोस, परंपरा शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान परंपरा ग्रुप द्वारा दो लाख रुपए की सहायता दी गई है। जिससे उनका ऑपरेशन का व्यय हुआ है। आगे के इलाज के लिए कलेक्टर की अनुमति से 50 हजार रूपए की सहायता रेड क्रॉस सोसायटी से दी गई है। अन्य कोई संस्था या व्यक्ति सहयोग के लिए प्रबंधक सह जिला संगठक रेड क्रॉस सोसायटी प्रदीप शर्मा के मोबाइल नंबर 9907140009 से संपर्क कर सकते हैं।

फरीदाबाद में अवैध निर्माण पर जमकर चला पीला पंजा, भारी पुलिस बल रहा मौके पर मौजूद

फरीदाबाद। फरीदाबाद के अरावली वन क्षेत्र में बने हुए अवैध निमार्णों को लगातार नगर निगम प्रशासन ध्वज कर रहा है जहां बीते दिनों अरावली वन क्षेत्र में कई अवैध फार्म हाउस के ऊपर पीला पंजा चला कर जमीदोज कर दिया गया था, वहीं आज बड़खल क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले वाली जमाई कॉलोनी में नगर निगम का तोड़फोड़ दस्ता पहुंचा। इस मौके पर कानून व्यवस्था संभालने के लिए उनके साथ भारी संख्या में पुलिस बल भी मौजूद रहा ताकि किसी तरह की कानून व्यवस्था कोई बिगाड़ा न सके। लगातार नगर निगम का पीला पंजा चलता रहा और अवैध निमार्णों को ध्वस्त किया गया। वहीं इस कार्रवाई को स्थानीय लोगों द्वारा नाजायज बताया गया और कहा गया कि उनका कोई भी नोटिस नहीं दिया गया और अचानक से नगर निगम आया और उनके मकान , दुकान और मस्जिद तक तोड़ दी। नगर निगम के लीगल एडवाइजर सतीश आचार्य ने बताया आज जमाई कॉलोनी में सरकारी जमीन पर अवैध निमार्णों को ध्वस्त किया गया है। उन्होंने बताया कि आज की तोड़फोड़ माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश अनुसार की गई है, वहीं लोगों द्वारा आरोप लगाया गया था की मस्जिद को भी तोड़ा गया है। जिस पर उन्होंने कहा कि यह सरकारी जमीन है और उन्हें जो भी यहां पर अवैध निर्माण दिखाई दिया नियमों के अनुसार ही तोड़ा गया है। उन्होंने बताया कि कोर्ट की सख्त गाइडलाइंस है कि वन क्षेत्र में किसी भी तरह का निर्माण नहीं किया जा सकता।

चलती कार में लगी आग, स्कूल जा रही अध्यापिका बाल बाल बची

रूपनगर। शहर के ज्ञानी जैल सिंह नगर में आज सुबह एक चलती कार में आग लग गई। कार में सवार महिला अध्यापिका बाल-बाल बच गईं। इस संबंध में कार चला रही अध्यापिका मनजीत कौर ने बताया कि वह मलिकपुर स्कूल में पढ़ाती हैं और आज सुबह स्कूल जा रही थीं। जब वह रूपनगर से कॉलेज रोड होते हुए जा रही थी तो उसने कार से धुआं निकलता देखा। वह ज्ञानी जैल सिंह नगर स्थित पार्क के पास पहुंची। जब उसने कार से बाहर निकलकर देखा तो आग ने विकराल रूप ले लिया था और ऊंची लपटें निकलने लगी थीं। स्थानीय लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को फोन किया, जिसका कार्यालय ज्ञानी जैल सिंह नगर में स्थित है।